Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर

वर्ष : 03

अंक : 36

पृष्ठ : 6

मूल्य : 2.00

शुक्रवार,05 सितम्बर 2025

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 जुलूस मद्दे सहाब आज,इस्लामिक सेन्टर में जलसों | 4 उम्मीदों की चिप से हौसलों की उड़ान भरता भारत | 5 हरिद्वार के डिलीवरी बॉय के यूनिक वीडियो स्टाइल

भारत-सिंगापुर के बीच कई समझौतों पर लगी मुहर

आतंकवाद के संबंध में हमारी चिंताएं एक जैसी :पीएम

दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और सिंगापुर के बीच साझेदारी को परस्पर हितों, शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा दृष्टिकोण से प्रेरित बताते हुए इसे विभिन्न क्षेत्रों में और अधिक प्रगाढ़ बनाने के लिए एक व्यापक रोड मैप तैयार किया है। दोनों देशों ने परस्पर सहयोग को पारंपरिक क्षेत्र से आगे जाकर कई अन्य क्षेत्रों तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। मोदी ने भारत यात्रा पर आए सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वांग के साथ वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि प्रधानमंत्री वांग की यात्रा और भी विशेष है, क्योंकि इस वर्ष हम अपने संबंधों की 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष उनकी सिंगापुर यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया था। ढट मोदी ने कहा कि इस एक वर्ष में दोनों देशों के बीच संवाद और सहयोग में गति और गहराई आयी है। उन्होंने कहा, आज, साउथ ईस्ट एशिया क्षेत्र में, सिंगापुर हमारा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। सिंगापुर से भारत में बड़े स्तर पर निवेश हुआ है। आज हमने अपनी पार्टनरशिप के भविष्य के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा सहयोग केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा। बदलते समय के अनुरूप, उन्नत विनिर्माण, ग्रीन शिपिंग, कौशल विकास, सिविल न्यूक्लियर और शहरी जल प्रबंधन जैसे क्षेत्र भी हमारे सहयोग के केंद्र बिंदु बनेंगे। ढट मोदी ने कहा कि भारत आसियान के साथ सहयोग और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता के साझा विजन को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को लेकर दोनों देशों की समान चिंताएं हैं। उन्होंने कहा, हम मानते हैं कि आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता से लड़ना सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच उद्देश्यपूर्ण साझेदारी है, जो साझा मूल्यों पर आधारित है, आपसी हितों से निर्देशित है और शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा दृष्टिकोण से प्रेरित है। दोनों प्रधानमंत्री की वार्ता के बाद दोनों देशों ने विमानन अंतरिक्ष और कौशल विकास के क्षेत्र में तीन समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए। आतंकवाद के संबंध में हमारी चिंताएं समान- मोदी पीएम मोदी ने मीडिया को दिए अपने बयान में कहा, आतंकवाद के संबंध में हमारी चिंताएं समान हैं। उन्होंने कहा, हमारा मानना ??है कि आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता से लड़ना उन सभी देशों का कर्तव्य है जो मानवता में विश्वास रखते हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी साझा मूल्यों पर आधारित है और यह आपसी हितों तथा शांति एवं समृद्धि के लिए साझा दृष्टिकोण से निर्देशित है।

जीएसटी रिफॉर्म पर बोले सीएम धामी

पीएम ने दिवाली से पहले देशवासियों को दिया है तोहफा

देहरादून (एजेंसी)। जीएसटी रिफॉर्म पर सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दिवाली से पहले देशवासियों को तोहफा दिया है। उन्होंने पीएम मोदी का धन्यवाद किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जीएसटी रिफॉर्म पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं, वो करते हैं। 15 अगस्त को उन्होंने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि दिवाली से पहले देशवासियों को तोहफा देंगे और जीएसटी में सुधार करेंगे। प्रधानमंत्री का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने किसानों और मध्यम वर्ग के लिए 175 से ज्यादा उत्पादों को जीएसटी मुक्त कर दिया है। किसानों के लिए कई चीजें सस्ती होने वाली हैं। मध्यम वर्ग और छात्रों को भी काफी लाभ मिलेगा। दशहरे से पहले ही देशवासियों को लाभ होगा। देश का उत्थान होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया ।

हाथ-पैर ठंडे पड़ गये हैं और चेहरे पीले

ओपी राजभर के घर हमले पर बोले अखिलेश का तंज

लखनऊ (एजेंसी)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार में पंचायती राज मंत्री और सुभासपा नेता ओम प्रकाश राजभर के घर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के कार्यकताओं द्वारा हंगामे पर प्रतिक्रिया दी है। सपा चीफ ने हमले को बीजेपी नीत एनडीए के भीतर गुटबाजी से भी जोड़ दिया है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि भाजपा किसी की सगी नहीं है।कल तक भाजपाइयों की ही परिषद बनाम वाहिनी हो रहा था, अब तथाकथित राजनीतिक सहयोगी के खघ्लिाफ उनके आवासों तक पर प्रदर्शन करवा रही है। भाजपाइयों की दरारवादी सोच अब अपने गुट में भी दरार डाल चुकी है। भाजपा के सहयोगी बने लोगों को अब समझ में आ गया है कि इस्तेमाली पार्टी उनकी माली हालत तो सुधार सकती है मतलब उनके खजाने में माल तो दे सकती है परंतु मान कभी नहीं देगी क्योंकि भाजपा की साजिशन चाल ही यही है कि पहले इस्तेमाल करो, फिर बर्बाद करो। कन्नौज सांसद ने लिखा कि पुलिस अधिकारी सामान्य पुलिसकर्मियों को आगे करके भाजपा की अंदरूनी लड़ाई से बचना चाहते हैं। वर्चस्ववादी पुलिस अधिकारी एसी में बैठकर, भाजपाइयों के सामने अपना तो यस सर-यस सर कर रहे हैं लेकिन सड़कों पर भाजपा के आनुषंगिक संगी-सहयोगियों के अभद्र व्यवहार के बावजूद, अन्य कनिष्ठ पुलिस कर्मियों को भाई-भाई कहकर हाथ जोड़ने को मजबूर कर रहे हैं।उन्होंने लिखा कि भाजपा ने अपने तथाकथित राजनीतिक सहयोगियों की जो दुर्गति की है, उससे वो अपने समाज में मुँह दिखाने लायक नहीं बचे हैं।उनको समझ नहीं आ रहा है कि अब जाएं तो जाएं कहाँ। भाजपा ने सियासी रूप से उनको बर्बाद कर दिया है। उनके हाथ-पैर ठंडे पड़ गये हैं और चेहरे पीले।

गुंडा टैक्स सपा सरकार का संस्कार था: सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में सुरक्षा के माहौल को निवेश की आधारशिला बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर कटाक्ष किया कि व्यापारियों और उद्यमियों से गुंडा टैक्स की वसूली सपा सरकार के संस्कार का हिस्सा था। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) क्षेत्र में 2251 करोड़ रुपये के निवेश और विकास परियोजना का शिलान्यास व लोकार्पण के मौके पर उन्होने कहा कि निवेश की परियोजनाओं में मल्टीनेशनल कंपनी कोका कोला के बॉटलिंग प्लांट का भूमि पूजन, देश में अग्रणी प्लास्टिक उत्पाद-पैकेजिंग कम्पनी टेक्नोप्लास्ट की यूनिट का लोकार्पण शामिल है। गीडा के प्लास्टिक पार्क में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले निवेश सपना था। डबल इंजन सरकार के द्वारा प्रतिबद्धता से जनसेवा के किए गए कार्यों का परिणाम है कि आज प्रदेश में विकास, निवेश और रोजगार की संभावनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब सुरक्षा का माहौल बनता है तो निवेश आता है। निवेश से नौकरी और रोजगार के द्वार खुलते हैं। रोजगार से खुशहाली आती है और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। डबल इंजन की सरकार सुरक्षा का माहौल देकर समृद्धि का मार्ग सुगम कर रही है। सीएम योगी ने बिना नाम लिए सपा पर शाब्दिक प्रहार करते हुए कहा कि जाति के नाम पर समाज को बांटने वाले, प्रदेश को दंगों की आग में झोंकने वाले लोगों ने नागरिकों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया। वोट बैंक की राजनीति में सुरक्षा से खिलवाड़ किया। बेटी-बहन की इज्जत की परवाह नहीं की, मातृशक्ति की गरिमा का ख्याल नहीं किया। ऐसे लोगों से विकास की उम्मीद कैसे की जा सकती है। जब ऐसे लोगों को मौका मिला और विकास नहीं करा पाए तो वे आगे भी नहीं करा पाएंगे। योगी ने कहा कि सपा सरकार में उद्यमियों, व्यापारियों से वसूली होती थी, गुंडा टैक्स लिया जाता था। आज ऐसा करने की हिम्मत कोई नहीं कर सकता। किसी ने गुंडा टैक्स वसूला तो अगले चौराहे पर यमराज उसका इंतजार करते मिलेंगे। सपा सरकार में बिजली यदा कदा आती थी। ये उजाले के दुश्मन थे। उन्होंने समाज में अराजकता फैलाई।

बंगाल में एक भी विधायक नहीं बचेगा, हार तय है

ममता बनर्जी का भाजपा पर वार

पश्चिम बंगाल (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि वह बांग्ला भाषी लोगों के खिलाफ है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा को एक ऐसे समय का सामना करना पड़ेगा जब पश्चिम बंगाल में उनकी पार्टी का एक भी विधायक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बंगालियों के खिलाफ भाषाई आतंक फैलाने वाली कोई भी पार्टी बंगाल कभी नहीं जीत सकती। ममता बनर्जी ने कहा कि मैं बंगालियों पर हो रहे अत्याचार के लिए भाजपा की निंदा करती हूँ। जल्द ही एक समय आएगा जब बंगाल में भाजपा का एक भी विधायक नहीं बचेगा। जनता खुद यह सुनिश्चित करेगी। भाजपा की हार निश्चित है, क्योंकि बंगालियों के खिलाफ भाषाई आतंक फैलाने वाली कोई भी पार्टी बंगाल कभी नहीं जीत सकती। ममता बनर्जी ने भाजपा को ₹वोट चोर₹ पार्टी बताते हुए कहा कि यह पूरी तरह से भ्रष्ट है। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट चोर, पूरी तरह से भ्रष्ट, बंगालियों को सताने वाली और धोखेबाज पार्टी है। भाजपा राष्ट्रीय कलंक है और मैं इसकी कड़ी निंदा करती हूँ। तृणमूल कांग्रेस ने नियम 169 के तहत देश भर में बंगाली भाषी लोगों के खिलाफ कथित घटनाओं की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया। ममता बनर्जी के बोलने के दौरान उन्हें विपक्ष के भारी विरोध का भी सामना करना पड़ा, जिसके कारण भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल को निलंबित कर दिया गया। तृणमूल कांग्रेस ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पूर्व अनुमति और सुरक्षा जमा के बावजूद अपने भाषा आंदोलन विरोध स्थल को ध्वस्त करने के लिए सत्ता का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और कहा कि मेयो रोड पर जो हुआ वह सेना का काम नहीं है।

गुजराती लोग बिहारियों को हलके में न लें... बिहार बंद पर भड़के लालू यादव, कहा-'भाजपा कार्यकर्ता लांघ रहे मयार्दा'

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बिहार बंद के दौरान अशोभनीय आचरण का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां पर हाल ही में आयोजित वोटर अधिकार यात्रा के दौरान की गई टिप्पणी के विरोध में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा बुलाये गये बंद के दौरान भाजपा कार्यकताओं ने मयार्दा की सारी सीमायें लांघ दीं। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक तीखा बयान जारी करते हुये पूछा है कि, क्या प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकताओं को बिहार की माताओं, बहनों और बेटियों को गाली देने का आदेश दिया है? उन्होंने भाजपा कार्यकताओं पर महिला शिक्षकों, यात्रियों, छात्राओं, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्ग नागरिकों और यहां तक कि पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट करने का भी आरोप लगाया है। राजद प्रमुख ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि, गुजराती लोग बिहारियों को हलके में न लें। यह बिहार है। उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थकों का यह व्यवहार न केवल लोकतंत्र के लिए अपमानजनक है।

'विपक्ष ने फायदा उठाने की कोशिश की, मुद्दा सुलझने पर साध ली चुप्पी':पवार

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बृहस्पतिवार को विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के कुछ सदस्यों ने हाल ही में हुए मराठा आरक्षण आंदोलन का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश की, लेकिन सरकार ने मामला सुलझा दिया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। उपमुख्यमंत्री पवार पुणे में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है। दरअसल, मनोज जरांगे ने 29 अगस्त को मुंबई में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर भूख हड़ताल शुरू की थी। सीएम देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार ने जरांगे की अधिकांश मांगों को मान लिया, जिसके बाद उन्होंने मंगलवार को भूख हड़ताल वापस ले ली। सरकार ने मराठा समुदाय के सदस्यों को उनकी कुनबी विरासत के ऐतिहासिक साक्ष्यों के साथ कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए एक समिति गठित करने की घोषणा करते हुए एक आदेश भी जारी किया। लोगों के लिए काम करने का हमारा निरंतर प्रयास उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि लोगों ने हमें भारी बहुमत देकर सत्ता में बिठाया है। इसलिए हमारा निरंतर प्रयास है कि हम उन्हें सभी लाभ प्रदान करके उनके लिए काम करें। पवार ने कहा कि कभी-कभी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं।

दिल्ली हुई पानी-पानी, उफान पर यमुना, सचिवालय समेत कई प्रमुख इलाके भी बाढ़ की जद में

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर यमुना नदी का जलस्तर सुबह नौ बजे 207.47 मीटर था, और उफनती यमुना नदी का पानी आस-पास के इलाकों में लगातार भर रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सुबह छह बजे से सात बजे के बीच जलस्तर 207.48 मीटर पर बना रहा। सुबह पांच बजे जलस्तर 207.47 मीटर था, जबकि सुबह छह बजे यह 207.48 मीटर पर था। अधिकारियों के अनुसार, देर रात दो बजे से सुबह पांच बजे के बीच जलस्तर 207.47 मीटर पर स्थिर रहा। बाढ़ का पानी दिल्ली सचिवालय के पास पहुंच गया, जहां मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्रियों और प्रमुख नौकरशाहों के कार्यालय हैं। वासुदेव घाट के आसपास के इलाकों में भी पानी भर गया है। मयूर विहार फेज एक जैसे कुछ निचले इलाकों में भी बाढ़ का पानी भर गया है, यहां तक कि वहां बने राहत शिविर भी जलमग्न हो गए हैं। मोनेस्ट्री मार्केट और यमुना बाजार जैसे इलाके अब भी जलमग्न हैं। निवासियों को उम्मीद है कि पानी कम हो जाएगा और सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। कश्मीरी गेट के पास श्री मरघट वाले हनुमान बाबा मंदिर तक भी बाढ़ का पानी पहुंच गया है। एक श्रद्धालु ने कहा, हर साल जब यमुना का जलस्तर बढ़ता है तो इससे भगवान हनुमान का स्नान होता है। यह पवित्र जल है। हम इसका सम्मान करते हैं। बुधवार को निगमबोध घाट में बाढ़ का पानी भर गया, जिससे दाह संस्कार कार्य रुक गया। गीता कॉलोनी श्मशान घाट भी पानी में डूब गया। हालांकि, गीता कॉलोनी श्मशान घाट के प्रमुख संजय शर्मा ने बताया कि दाह संस्कार का कार्य बंद नहीं किया है। उन्होंने दावा किया, 2023 में श्मशान घाट में पानी घुस गया था और आज फिर से लगभग 10 फुट तक पानी भर गया है।

दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुनवाई टली, केजरीवाल-सिसोदिया को पेशी से छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को बड़ी राहत मिली है। आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की सुनवाई गुरुवार को टल गई। इस मामले की अगली सुनवाई अक्टूबर में होगी। अदालत ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को गुरुवार को पेश होने से राहत दे दी। दोनों नेताओं ने अदालत से पेशी से छूट की अर्जी लगाई थी। केजरीवाल और सिसोदिया की ओर से कहा गया कि वे इस समय पंजाब में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं और वहां राहत एवं बचाव कार्यों में पीड़ितों की सहायता में जुटे हैं। अदालत ने इस आधार पर उनकी उपस्थिति से छूट प्रदान कर दी। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली की आबकारी नीति मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत यह केस दर्ज किया था। इस मामले में कई नेताओं और अधिकारियों पर जांच एजेंसी शिकंजा कस चुकी है। अब देखना होगा कि अक्टूबर में होने वाली अगली सुनवाई में इस मामले पर अदालत क्या रुख अपनाती है। बता दें कि पंजाब में हो रही बारिश और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। नदियां उफान पर हैं और कई जिलों में जलजमाव है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर राज्य के लिए राहत की मांग की थी।

100 की स्पीड, ट्रक में घुसी कार-5 दोस्तों की मौत,कटर से काटकर निकाली गई डेडबॉडी

पटना (एजेंसी)। पटना में सड़क हादसे में 5 दोस्तों की मौत हुई है। बुधवार रात 1 बजे उनकी कार चलते ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसा परसा बाजार थाना के महोली फ्लाई ओवर के नीचे हुआ है। हादसा इतना भीषण था कि कार ट्रक के अंदर घुस गई। ट्रक के ड्राइवर को इसका पता भी नहीं चला। वह कार को घसीटते हुए 25 मीटर तक दूर तक चला गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। गैस कटर से कार को काटकर सभी शवों को निकाला गया। मरने वालों में गोपालपुर के 50 साल के राजेश कुमार, 38 साल के संजय कुमार, सिपारा के 38 साल के कमल किशोर, 35 साल के प्रकाश चौरसिया और मुजफ्फरपुर के 30 साल के सुनील कुमार शामिल हैं। सभी लोग फतुहा से परसा बाजार होते हुए पटना की ओर आ रहे थे। इसी बीच फ्लाई ओवर के नीचे आगे जा रही ट्रक को कार ने पीछे से टक्कर मार दी।

कृषिमंत्री शिवराज पंजाब बाढ़ में कमर तक पानी में उतरे

अमृतसर (एजेंसी)। बारिश और बाढ़ से बिगड़े हालात का जायजा लेने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज पंजाब दौरे पर हैं। अमृतसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद केंद्रीय मंत्री बाढ़ प्रभावित क्षेत्र अजनाला पहुंचे। यहां वह किसानों से मिले। किसानों ने उन्हें खराब हुई फसलों के बारे में बताया। उनके साथ कांग्रेस सांसद गुरजीत औजला और बीजेपी जनरल सेक्रेटरी तरुण चुग मौजूद रहे। इसके बाद केंद्रीय मंत्री डेरा बाबा नानक एरिया में पहुंचे। इस दौरान वह ट्रैक्टर में सवार थे। ट्रैक्टर पंजाब भाजपा प्रधान सुनील जाखड़ चला रहे थे। यहां केंद्रीय मंत्री ने बाढ़ के पानी में उतरकर लोगों से बात की। कांग्रेस विधायक अरूणा चौधरी ने कहा कि हर साल इन इलाकों में बाढ़ आती है। तीन महीने के लिए इन इलाकों के लोगों को अस्थाई पुल हटा दिया जाता है। वहां पर आने-जाने कोई रह सकता। सन्नी दियोल ने एक करोड़ के करीब पैसा भेजा था।

स्वच्छता के उपरान्त स्वच्छ दिखता गोरखपुर का प्लेटफार्म

गोरखपुर: रेलवे प्रशासन द्वारा देश की आजादी का जश्न स्वच्छता के संकल्प के साथ मनाया जा रहा है। सम्पूर्ण भारतीय रेल पर मनाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 04 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मण्डलों पर स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह अभियान रेलवे के सभी क्षेत्रों जैसे- स्टेशनों, टेज्नों, कालोनियों, कार्यालयों, डिपो एवं कारखानों आदि में स्वच्छता के प्रति हमारे प्रयासों को सार्थक करेगा, साथ ही रेलकर्मियों एवं यात्रियों के बीच जागरूकता को भी बढ़ावा देगा। 04 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मण्डल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर सफाई मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी एवं मशीनीकृत सफाई की गयी। रेलवे पटरियों पर स्वच्छता कार्य कर प्लास्टिक कचरा से मुक्त किया गया। वाशिंग पिट पर गाड़ियों की स्वच्छता का निरीक्षण कर गहन सफाई कराई गयी। पर्यवेक्षकों और अधिकारियों ने रेकों के स्वच्छता का उच्च मानक सुनिश्चित करने के लिए रेकों का निरीक्षण किया, बेस किचन और उनके स्टोर का गहन निरीक्षण कर भोजन की तैयारी और भण्डारण में स्वच्छता मानकों को बनाये रखने का निर्देश दिया गया। स्टेशनों को प्लास्टिक मुक्त बनाया गया, स्वच्छता कार्य किया गया तथा स्वच्छता कर्मियों को यात्रियों से और अच्छा व्यवहार करने व त्वरित स्वच्छता सेवा उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षित किया गया। वाराणसी मण्डल के देवरिया सदर, सीवान, मऊ, बलिया, आजमगढ़, बनारस, प्रयागराज रामबाग आदि सभी प्रमुख स्टेशनों पर स्वास्थ्य निरीक्षकों ने स्टेशन पर कार्य करने वाले अनुबंध के आधार पर कार्य करने वाले कर्मिकों एवं रेल कर्मियों के साथ स्वच्छता पोस्टर, बैनर व स्वच्छता नारों के साथ स्वच्छता रैली निकाली गयी। स्वच्छता अभियान के दौरान सफाई मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी तथा स्वच्छता कर्मचारियों को और गुणवत्तापूर्ण सेवा देने के लिए प्रशिक्षित किया गया। रेल पटरियों की सफाई की गयी। वाशिंग पिट पर गहन निरीक्षण कर स्वच्छता सुनिश्चित की गयी। भोजन की तैयारी और भण्डारण क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्वच्छता सुनिश्चित की गयी। स्टेशनों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से स्टेशन परिसरों की सफाई की गयी। इज्जतनगर मण्डल के काठगोदाम, फतेहगढ़, हल्द्वानी, रूद्रपुर सिटी, कासगंज, काशीपुर, लालकुआँ, टनकपुर, कन्नौज, फतेहगढ़ आदि सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म एवं वाशिंग लाइनों पर ट्रेनों की गहन सफाई की गयी। सुखे एवं गीले कचरे के डस्टबिन का प्रावधान सुनिश्चित किया गया। ओबीएचएस स्वच्छता कर्मियों को यात्रियों से और बेहतर व्यवहार तथा त्वरित स्वच्छता सेवा देने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

Rudrapur City Railway station

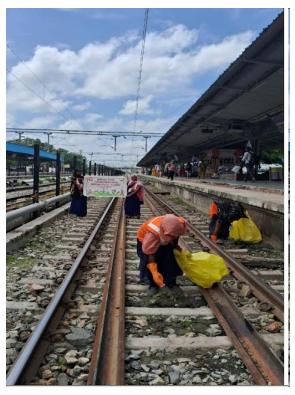

पूर्वोत्तर रेलवे को स्क्रैप निस्तारण के फलस्वरूप कुल रू. 78.69 करोड़ की आय

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन स्क्रैप निस्तारण के क्षेत्र में निरन्तर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहा है। स्क्रैप निस्तारण से रेल राजस्व की प्राप्ति के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को गति मिली है। स्क्रैप निस्तारण के परिणामस्वरूप रेल परिसर एवं रेल लाइनों के किनारे पड़ी निराकृत सामग्रियों के निस्तारण से ये स्थल स्वच्छ एवं साफ-सुथरे हो रहे हैं। वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में माह अगस्त, 2025 तक मिशन जीरो स्क्रैप के तहत स्क्रैप निस्तारण से रू. 78.69 करोड़ की आय हुई है तथा माह अगस्त, 2025 में स्क्रैप निस्तारण से रू. 20.84 करोड़ की आय हुई है। भारत सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन के तहत रेल परिसरों तथा रेल पटरियों के किनारे पड़े हुये निष्प्रयोज्य सामग्री, परित्यक्त इमारतों एवं आवासों की पहचान कर निस्तारण किया गया है, जिससे रेल राजस्व प्राप्त होने के साथ ही रेल परिसर तथा रेल पटरियों को स्वच्छ रखने में भी सफलता मिली है।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 02 सितम्बर, 2025 को गाड़ी सं0 55337 के दो यात्रियों द्वारा 09 वर्ष की नाबालिग लड़की को लावारिस हालत में पाक र रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट मथुरा को सौंपा गया, जिसे पूछताछ के उपरान्त 03 सितम्बर, 2025 को राजकीय बालगृह, मथुरा को सुपुर्द किया गया। मानवीय सहायता के अन्तर्गत 03 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया द्वारा निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15716 में एक घायल यात्री जिसका पैर प्लेटफार्म पर रगड़ गया था, को ईलाज हेतु ट्रामा सेन्टर बलिया में भर्ती कराया गया व उसकी सूचना घायल यात्री के परिजनों को दिया गया। 02 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल, ऐशबाग को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म पर महिला यात्री का छूटा पिट्ठू बैग मिलने पर ऐशबाग पोस्ट पर जमा कराया गया। 03 सितम्बर, 2025 को महिला यात्री के भाई के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त पिट्ठू बैग सुपुर्द किया गया।

बिना अनुमति सड़क की खोदाई करने पर तीन ठेकेदार गिरफ्तार

वाराणसी। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बुधवार को नगर निगम, स्मार्ट सिटी के अधिकारियों के साथ बैठक की। शहर में 35 वेडिंग जोन और 20 स्थानों पर पार्किंग के लिए सहमति बनी। वाराणसी शहर के सुगम यातायात में बाधक और बिना अनुमति भेलूपुर ब्रॉडवे होटल के पास सड़क की खोदाई में तीन ठेकेदारों को बुधवार को भेलूपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया। सुंदरपुर मछली मंडी को हटाकर छह पर मुकदमा दर्ज किया गया। अतिक्रमण करने पर चार लोग गिरफ्तार किए गए। रथयात्रा से गुरुबाग तक सड़क के गड्ढों को भरवाकर यातायात सुगम बनाया गया। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बुधवार को नगर निगम, स्मार्ट सिटी के अधिकारियों के साथ बैठक की। शहर में 35 वेडिंग जोन और 20 स्थानों पर पार्किंग के लिए सहमति बनी। पुलिस आयुक्त ने बैठक में निर्देश दिए कि वेंडिंग जोन सिर्फ सर्वे के आधार पर चुने जाएं। इन्हें अस्थायी स्वरूप में स्थापित कर हर 6 माह में समीक्षा की जाए। केवल उन्हीं स्थानों पर बनाया जाए, जहां पर्याप्त पार्किंग हो। मुख्य सड़कों पर इन्हें प्रतिबंधित रखा जाए। सुव्यवस्थित सब्जी व फल मंडियों के लिए स्थानों पर भी चर्चा की गई, ताकि अव्यवस्थित बाजारों को नियंत्रित किया जा सके। बैठक में अपर पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं कानून-व्यवस्था) शिवहरी मीणा, नगर आयुक्त अक्षत वर्मा आदि रहे।

एबीवीपी कार्यकताओं को गुंडा कहने पर विरोध प्रदर्शन

मऊ। नगर के डीसीएसके पीजी कॉलेज के सामने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने ओपी राजभर का पुतला फूंका। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर द्वारा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं को गुंडा कहे जाने का विवाद बढ़ गया है। बृहस्पतिवार को नगर के डीसीएसके पीजी कॉलेज के सामने कार्यकताओं ने ओमप्रकाश राजभर का पुतला फूंका। साथ ही सड़क पर बैठकर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान कार्यकताओं ने कहा कि ओमप्रकाश राजभर को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं से माफी मांग कर तत्काल इस्तीफा देना चाहिए।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

कानपुर। फीलखाना थाना क्षेत्र के भगवतदास घाट में एक विवाहिता संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। अस्पताल ले जाने के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया। मायके पक्ष ने पति और ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाया। कानपुर में फीलखाना थाना क्षेत्र के भगवतदास घाट में बुधवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत हो गई। आनन फानन पति महिला को लेकर उर्सला पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मायके पक्ष ने पति समेत ससुरालीजनों पर हत्या का आरोप लगाया है।

वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 05 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05734/05733 किशनगंज-अमृतसर-किशनगंज साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन किशनगंज से 02 अक्टूबर से 13 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को तथा अमृतसर से 04 अक्टूबर से 15 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को 07 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05734 किशनगंज-अमृतसर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 02 अक्टूबर से 13 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को किशनगंज से 09.10 बजे प्रस्थान कर बारसोई से 10.12 बजे, कटिहार से 11.40 बजे, नवगछिया से 12.27 बजे, मानसी से 13.17 बजे, खगड़िया से 13.32 बजे, बेगूसराय से 14.12 बजे, बरौनी से 14.50 बजे, हाजीपुर से 17.45 बजे, सोनपुर से 17.57 बजे, छपरा से 19.55 बजे, सीवान से 20.55 बजे, देवरिया सदर से 21.47 बजे, गोरखपुर से 23.25 बजे, दूसरे दिन बस्ती से 00.25 बजे, गोंडा से 01.30 बजे, बाराबंकी से 03.25 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 04.25 बजे, कानपुर सेंट्रल से 06.40 बजे, इटावा से 08.17 बजे, अलीगढ़ से 10.35 बजे, खुर्जा से 11.45 बजे, हापुड़ से 13.17 बजे, मेरठ सिटी से 14.15 बजे, मुजफ़्फरनगर से 15.07 बजे, सहारनपुर से 17.25 बजे, अम्बाला कैंट से 19.00 बजे, लुधियाना से 21.25 बजे, जलंधर सिटी से 22.55 बजे तथा ब्यास से 23.35 बजे छूटकर तीसरे दिन अमृतसर 00.10 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05733 अमृतसर-किशनगंज साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 04 अक्टूबर से 15 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को अमृतसर से 04.25 बजे प्रस्थान कर ब्यास से 04.57 बजे, जलंधर सिटी से 05.35 बजे, लुधियाना से 06.40 बजे, अम्बाला कैंट से 08.50 बजे, सहारनपुर से 10.35 बजे, मुजफ़्फरनगर से 11.25 बजे, मेरठ सिटी से 12.35 बजे, हापुड़ से 13.32 बजे, खुर्जा से 15.05 बजे, अलीगढ़ से 15.42 बजे, इटावा से 17.35 बजे, कानपुर सेंट्रल से 20.10 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 22.20 बजे, बाराबंकी से 23.20 बजे, दूसरे दिन गोंडा से 00.35 बजे, बस्ती से 01.50 बजे, गोरखपुर से 04.05 बजे, देवरिया सदर से 05.10 बजे, सीवान से 06.05 बजे, छपरा से 07.20 बजे, सोनपुर से 08.17 बजे, हाजीपुर से 08.32 बजे, बरौनी से 10.15 बजे, बेगूसराय से 10.35 बजे, खगड़िया से 11.07 बजे, मानसी से 11.19 बजे, नवगछिया से 12.12 बजे, कटिहार से 15.10 बजे तथा बारसोई से 16.17 बजे छूटकर किशनगंज 17.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, शयनयान श्रेणी के 07, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01 तथा वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 05 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

उन्नाव समेत छह जिलों में 22 लाख से ज्यादा डुप्लीकेट वोटर, एआई ने पकड़े

कानपुर। राज्य निर्वाचन आयोग ने ग्राम पंचायतवार संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची ऑनलाइन जारी की है। बीएलओ सभी मतदाताओं का सत्यापन करने के बाद अपनी रिपोर्ट जिला निर्वाचन अधिकारी को सौंपेंगे। सही पाए जाने वाले मतदाता के आधार कार्ड के अंतिम चार अंकों को सूची पर दर्ज करेंगे। बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मामला सुर्खियों में है। इस बीच उत्तर प्रदेश त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से कराई गई जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। बुंदेलखंड और कानपुर के आसपास के जिलों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के डुप्लीकेट नाम पाए गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा 13 लाख डुप्लीकेट नाम हरदोई में हैं। सिर्फ छह जिलों में 20 लाख से ज्यादा डुप्लीकेट वोटर हैं। बांदा में डुप्लीकेट मतदाताओं की संख्या एक लाख से ज्यादा बताई जा रही है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से भेजी गई सूची में इनके नामों का खुलासा हुआ है। जिला निर्वाचन अधिकारियों के आदेश पर डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची सत्यापन कराने के लिए बीएलओ को सौंप दी गई है। अब बीएलओ घर-घर जाकर इन मतदाताओं का सत्यापन करेंगे और नई मतदाता सूची तैयार करेंगे। यह सूची एआई की मदद से तैयार की गई है। आधार कार्ड के अंतिम चार अंकों को सूची पर दर्ज करेंगे कुछ वोटर ऐसे भी मिले हैं] जो शहर के साथ ही गांव में भी मतदान करते आ रहे हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने ग्राम पंचायतवार संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची ऑनलाइन जारी की है। बीएलओ सभी मतदाताओं का सत्यापन करने के बाद अपनी रिपोर्ट जिला निर्वाचन अधिकारी को सौंपेंगे। सही पाए जाने वाले मतदाता के आधार कार्ड के अंतिम चार अंकों को सूची पर दर्ज करेंगे। न मिलने वाले मतदाता के नाम के आगे न लिखा जाएगा, ताकि उन नामों को सूची से हटाया जा सके। होगा भौतिक सत्यापन इन सभी मतदाताओं के भौतिक सत्यापन के निर्देश दिए हैं, जिसके लिए सभी ब्लॉकों के खंड विकास अधिकारियों को नोडल बनाया गया है। अब मतदाता सूची में एक व्यक्ति या महिला का एक ही जगह वोट रह पाएगा। डुप्लीकेट वोटों को सत्यापन के बाद सूची से हटा दिया जाएगा।

पुलिस मुठभेड़ में गौ- तस्कर को लगी गोली, अवैध तमंचा व बाइक के साथ गिरफ्तार

गाजीपुर। गाजीपुर जिले की पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गोली लगने के बाद एक बदमाश को गिरफ्तार किया। गाजीपुर जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार की रात स्वाट टीम और गहमर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली। पुलिस मुठभेड़ में शातिर गौ तस्कर पीर मोहम्मद उर्फ डेंजर निवासी सहेडी, थाना नंदगंज गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की गोली से वह घायल हुआ है। पकड़े गए बदमाश के कब्जे से एक अवैध तमंचा, कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। वहीं, पिकअप पर सवार तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। क्षेत्राधिकारी जमानियां अनिल कुमार के अनुसार, बुधवार रात स्वाट प्रभारी रोहित कुमार मिश्रा नवली के पास गश्त कर रहे थे। इसी दौरान रजागंज की ओर से तेज रफ्तार पिकअप और एक मोटरसाइकिल आती दिखी। रोकने का प्रयास करने पर बाइक सवार ने तमंचे से पुलिस टीम पर फायर करते हुए भागने की कोशिश की। सूचना पर गहमर थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेश कुमार मिश्रा व बारा चौकी प्रभारी टीम के साथ पीछा करने लगे। उन्होंने बताया कि मगरखाई मोड़ के पास पुलिस घेराबंदी करने लगी तो आरोपी ने फिर पुलिस पर फायर झोंक दिया। आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लग गई।

घायल आरोपी को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी भदौरा भेजा गया। पुलिस के अनुसार, फरार पिकअप वाहन की तलाश की जा रही है। घायल आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। सीओ ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के पास से एक तमंचा, एक कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। बताया कि अभियुक्त पर थाना करंडा व गहमर में गोवध निवारण अधिनियम और आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत है।

नगर निगम ने शुरू किया स्ट्रीट डॉग वैक्सीनेशन अभियान

कानपुर। नगर निगम ने शहर के स्ट्रीट डॉग्स को निशुल्क वैक्सीनेशन अभियान शुरू किया। महापौर और नगर आयुक्त ने वैक्सीन लगाने के लिए वेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कानपुर नगर निगम ने गुरुवार से शहर में स्ट्रीट डॉग्स को निशुल्क वैक्सीन लगाने का अभियान शुरू किया। महापौर प्रमिला पांडेय ने दो कुत्तों को स्वयं वैक्सीन लगवाई।

संक्षिप्त खबरें

एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05978/05977 डिब्रुगढ़-गोरखपुर-डिब्रुगढ़ साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन डिब्रुगढ़ से 17 सितम्बर से 05 नवम्बर, 2025 तक (24 सितम्बर, 2025 को छोड़कर) प्रत्येक बुधवार को तथा गोरखपुर से 18 सितम्बर से 06 नवम्बर, 2025 तक (25 सितम्बर, 2025 को छोड़कर) प्रत्येक बृहस्पतिवार को 07 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05978 डिब्रुगढ़-गोरखपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 17 सितम्बर से 05 नवम्बर, 2025 तक (24 सितम्बर, 2025 को छोड़कर) प्रत्येक बुधवार को डिब्रुगढ़ से 09.10 बजे प्रस्थान कर न्यू तिनसुकिया से 10.10 बजे, शिमलगुड़ी से 11.44 बजे, मरियानी से 12.42 बजे, डिमापुर से 14.45 बजे, दीफू से 15.21 बजे, लामडिंग से 16.10 बजे, होजाई से 16.52 बजे, चापरमुख से 17.27 बजे, जागीरोड से 18.02 बजे, गुवाहाटी से 19.55 बजे, कामख्या से 20.07 बजे, रंगिया से 21.05 बजे, न्यू बंगाईगाँव से 23.10 बजे, कोकराझार से 23.54 बजे, दूसरे दिन न्यू अलीपुरद्वार से 00.52 बजे, न्यू कोचबिहार से 01.20 बजे, न्यू जलपाईगुड़ी से 03.30 बजे, अलुआबाड़ी रोड से 04.13 बजे, किशनगंज से 04.40 बजे, कटिहार से 07.20 बजे, नवगछिया से 08.07 बजे, मानसी से 08.52 बजे, खगड़िया से 09.04 बजे, बेगूसराय से 09.40 बजे, बरौनी से 10.25 बजे, शाहपुर पटोरी से 11.12 बजे, हाजीपुर से 12.10 बजे, सोनपुर से 12.22 बजे, दिघवारा से 12.52 बजे, छपरा से 15.45 बजे, सीवान से 16.40 बजे तथा देवरिया सदर से 17.40 बजे छूटकर गोरखपुर 19.00 बजे पहुँचेगी।

जनरेटर सह लगेज यान के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 04098/04097 नई दिल्ली-हसनपुर रोड-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन नई दिल्ली से 01 अक्टूबर से 29 नवम्बर, 2025 तक प्रतिदिन तथा नई दिल्ली से 02 अक्टूबर से 30 नवम्बर, 2025 तक प्रतिदिन 60 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04098 नई दिल्ली-हसनपुर रोड पूजा विशेष गाड़ी 01 अक्टूबर से 29 नवम्बर, 2025 तक प्रतिदिन नई दिल्ली से 09.30 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 10.20 बजे, कानपुर सेंट्रल से 17.05 बजे, उन्नाव से 17.40 बजे, ऐशबाग से 19.00 बजे, बादशाहनगर से 19.30 बजे, बाराबंकी से 20.20 बजे, बुढ़वल से 20.50 बजे, गोंडा से 22.20 बजे, दूसरे दिन गोरखपुर से 01.10 बजे, कप्तानगंज से 02.02 बजे, सिसवा बाजार से 02.37 बजे, बगहा से 03.55 बजे, नरकटियागंज से 04.55 बजे, बेतिया से 05.30 बजे, सगौली से 06.00 बजे, बापूधाम मोतिहारी से 06.35 बजे, मुजफ्फरपुर से 09.10 बजे तथा समस्तीपुर से 10.15 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनल 12.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 04097 हसनपुर रोड-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी 02 अक्टूबर से 30 नवम्बर, 2025 तक प्रतिदिन हसनपुर रोड से 15.00 बजे प्रस्थान कर समस्तीपुर से 16.40 बजे, मुजफ्फरपुर से 17.45 बजे, बापूधाम मोतिहारी से 19.20 बजे, सगौली से 19.52 बजे, बेतिया से 20.25 बजे, नरकटियागंज से 21.30 बजे, बगहा से 22.22 बजे, दूसरे दिन सिसवा बाजार से 00.30 बजे, कप्तानगंज से 01.05 बजे, गोरखपुर से 02.20 बजे, गोंडा से 05.02 बजे, बुढ़वल से 06.05 बजे, बाराबंकी से 07.22 बजे, बादशाहनगर से 08.00 बजे, ऐशबाग से 08.40 बजे, उन्नाव से 10.10 बजे, कानपुर सेंट्रल से 10.45 बजे तथा गाजियाबाद से 17.35 बजे छूटकर नई दिल्ली 18.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 15, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 03 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

जनरेटर सह लगेज यान के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 04096/04095 आनन्द विहार टर्मिनल-पाटलिपुत्र-आनन्द विहार टर्मिनल पूजा विशेष गाड़ी का संचलन आनन्द विहार टर्मिनल से 21 सितम्बर से 29 नवम्बर, 2025 तक प्रतिदिन तथा पाटलिपुत्र से 22 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2025 तक प्रतिदिन 70 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04096 आनन्द विहार टर्मिनल-पाटलिपुत्र पूजा विशेष गाड़ी 21 सितम्बर से 29 नवम्बर, 2025 तक प्रतिदिन आनन्द विहार टर्मिनल से 00.05 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 00.47 बजे, कानपुर सेंट्रल से 07.20 बजे, प्रयागराज जं. से 10.10 बजे, वाराणसी जं. से 13.10 बजे, गाजीपुर सिटी से 14.50 बजे, फेफना से 16.00 बजे, बलिया से 16.20 बजे, सहतवार से 16.45 बजे, बकुल्हा से 17.15 बजे, छपरा से 18.45 बजे तथा दिघवारा से 19.37 बजे छूटकर पाटलिपुत्र 21.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 04095 पाटलिपुत्र-आनन्द विहार टर्मिनल पूजा विशेष गाड़ी 22 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2025 तक प्रतिदिन पाटलिपुत्र से 00.30 बजे प्रस्थान कर दिघवारा से 01.32 बजे, छपरा से 03.35 बजे, बकुल्हा से 04.15 बजे, सहतवार से 04.50 बजे, बलिया से 05.20 बजे, फेफना से 05.40 बजे, गाजीपुर सिटी से 06.35 बजे, वाराणसी जं. से 08.50 बजे, प्रयागराज जं. से 11.15 बजे, कानपुर सेंट्रल से 13.50 बजे तथा गाजियाबाद से 20.40 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनल 21.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 05, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 06, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 03 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये पूर्व से चलाई जा रही 09195/09196 वडोदरा-मऊ-वडोदरा साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार वडोदरा से 29 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को तथा मऊ से 30 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को निम्नवत किया जायेगा। 09195 वडोदरा-मऊ साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 29 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को वडोदरा से 19.00 बजे प्रस्थान कर गोधरा से 20.10 बजे, दाहोद से 21.00 बजे, रतलाम से 22.45 बजे, दूसरे दिन कोटा से 02.10 बजे, सवाई माधोपुर से 03.20 बजे, गंगापुर सिटी से 04.15 बजे, बयाना से 05.12 बजे, ईदगाह आगरा जं. से 07.02 बजे, टूण्डला से 08.22 बजे, गोविन्दपुरी से 11.35 बजे, प्रयागराज जं. से 15.50 बजे, ज्ञानपुर रोड से 16.52 बजे, बनारस से 18.40 बजे तथा औड़िहार से 19.17 बजे छूटकर मऊ 20.45 बजे पहुँचेगी।

कीमतों में गिरावट के बाद फीकी पड़ी सोने की चमक; रिकॉर्ड हाई के बाद 1395 रुपये घटकर इतना हुआ दाम

सोना गुरुवार को रिकॉर्ड स्तर से गिरकर 1,05,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। एमसीएक्स पर अक्टूबर और दिसंबर डिलीवरी अनुबंधों में 1.30% तक की गिरावट दर्ज हुई। कॉमेक्स पर भी सोना 1.43% टूटा। डॉलर इंडेक्स में सुधार और निवेशकों की मुनाफावसूली ने दबाव बनाया। सोने की चमक एक दिन के रिकॉर्ड हाई के बाद गुरुवार को फीकी पड़ गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अक्तूबर डिलीवरी का सोना 1,395 रुपये गिरकर 1,05,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। बुधवार को सोना 1,07,226 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा था। विशेषज्ञों का कहना है कि ऊंचे स्तरों पर निवेशकों की मुनाफावसूली और ग्लोबल मार्केट की कमजोरी से यह गिरावट आई। एमसीएक्स पर सबसे ज्यादा कारोबार वाले अक्टूबर अनुबंध में 1.30% की गिरावट रही।

शहर को मिलेगा पहला सरकारी पीडियाट्रिक अस्पताल

ग्वालियर

शहर में जल्द ही बच्चों के लिए अलग से शासकीय पीडियाट्रिक अस्पताल शुरू किया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई है और शासन को विस्तृत प्रस्ताव भेजा जाएगा। शासन से अगर हरी झंडी मिलती है तो अस्पताल धरातल पर कार्यरत हो जाएगा, जहां केवल बच्चों के इलाज की ही सुविधा उपलब्ध रहेगी।

जानकारी के अनुसार बिरलानगर स्थित प्रसति गृह का नया भवन तैयार हो चुका है और वहां प्रसूति संबंधी सेवाओं को शिफ्ट कर दिया गया है। इस कारण पुरानी बिल्डिंग अब खाली पड़ी है। स्वास्थ्य विभाग ने इस खाली भवन को पीडियाट्रिक अस्पताल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि इस भवन में बच्चों के इलाज के लिए विशेष अस्पताल बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इसे शासन को मार्गदर्शन व स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। डॉ.

सीएमएचओ जल्द भोपाल भेजेंगे प्रस्ताव

श्रीवास्तव ने कहा कि यदि अनुमति मिलती है तो यह ग्वालियर का पहला सरकारी पीडियाट्रिक अस्पताल होगा। इससे बच्चों के उपचार में और भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और गंभीर बीमारियों का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में किया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि बच्चों के लिए समर्पित अस्पताल बनने से न केवल ग्वालियर के मरीजों को बल्कि आसपास के जिलों से आने वाले बच्चों को भी लाभ मिलेगा। वर्तमान में बच्चों का इलाज सामान्य अस्पतालों के शिशु वार्डों में किया जाता है, जहां सीमित संसाधनों और भीड़भाड़ की समस्या बनी रहती है। अलग से अस्पताल शुरू होने पर बच्चों को विशेष देखभाल, साफ-सुथरा वातावरण और सुरक्षित माहौल मिल सकेगा।

एनएसवी केंद्र हुआ शिफ्ट

स्वास्थ्य विभाग ने नसबंदी सेवाओं के लिए संचालित एनएसवी केंद्र को भी स्थानांतरित कर दिया है। पहले यह केंद्र स्वास्थ्य प्रबंध संस्थान में चल रहा था, जहां जगह की काफी कमी थी। अब इसे बिरलानगर स्थित प्रसूति गृह के पुराने भवन में शिफ्ट कर दिया गया है। यहां पर्याप्त जगह और ऑपरेशन थिएटर की सुविधा उपलब्ध होने से चिकित्सकों को बेहतर वातावरण मिलेगा तथा नसबंदी ऑपरेशन सुचारु रूप से किए जा सकेंगे।

विकास कार्यों की राशि का गबन पड़ा भारी

दो पूर्व सरपंचों व एक पूर्व पंचायत सचिव को जेल भेजने के आदेश

ग्वालियर

ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की राशि का गबन करने वाले जिम्मेदारों पर अब सख्त कार्रवाई शुरू हो गई है। जिले की दो ग्राम पंचायतों के दो पूर्व सरपंचों और एक पूर्व पंचायत सचिव को शासकीय धनराशि हड़पने के मामले में जेल भेजने के आदेश दिए गए हैं।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विहित अधिकारी विवेक कुमार ने कार्रवाई करते हुए उप जेल डबरा अधीक्षक को निर्देशित किया है कि संबंधित दोषियों को अभिरक्षा में लेकर 30-30 दिन के लिए जेल में रखा जाए।

जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत भितरवार की ग्राम पंचायत मेहगांव के पूर्व सरपंच सूर्यप्रकाश जाटव और पूर्व सचिव लाखन सिंह जाटव एवं जनपद पंचायत डबरा की ग्राम पंचायत कुम्हर्रा के पूर्व सरपंच सोबरन सिंह परिहार पर विकास कार्यों की राशि का गबन करने की शिकायत सामने आई थी। मामले की जब जांच की गई तो सामने आया कि आरोपियों ने शासन की योजनाओं से जारी की गई राशि को विकास कार्यों में लगाने की बजाय अपने पास रख लिया और जिन कार्यों के लिए राशि स्वीकृत थी, उन्हें पूरा नहीं कराया। इन मामलों में पंचायत राज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिवत सुनवाई की गई। दोषियों को धनराशि वापस करने का पूरा अवसर भी दिया गया, लेकिन उन्होंने राशि जमा नहीं की। इसके बाद ही जिला पंचायत सीईओ ने कड़ा कदम उठाते हुए दोषियों को जेल भेजने के आदेश जारी कर दिए।

ई-कॉमर्स कंपनी का अधिकारी बनकर 15.50 लाख ठगे

नाती की ड्रेस बदलने के लिए इंटरनेट से मिला फर्जी कस्टमर केयर नम्बर

ग्वालियर

वृद्धा के साथ शातिर ठग ने ई-कॉमर्स कंपनी का अधिकारी बनकर साढ़े पन्द्रह लाख रुपए ठग लिए। वृद्धा ने नाती के लिए फ्लिपकार्ट से कपड़े खरीदे थे, पसंद नहीं आने पर उसे वापस करने के लिए इंटरनेट से ई-कॉमर्स से कम्पनी का कस्टमर केयर नम्बर लिया, जो फर्जी था। ठगों ने बात करने पर अधिकारी बनकर ठगी की घटना को अंजाम दिया। अपराध शाखा धोखाधड़ी के मामले की पड़ताल में जुट गई है।

हरिशंकरपुरम चिनाव अपार्टमेंट निवासी देशकंवर सिंह पत्नी जयदीप सिंह 61 वर्ष का बेटा दुबई में रहता है, जहां पर वह एक प्राइवेट कम्पनी में काम करता है। वृद्धा को सितम्बर माह के पहले सप्ताह में बेटे के पास दुबई जाना है। उन्होंने अपने नाती के लिए फ्लिपकार्ट से एक ड्रेस का ऑर्डर किया था। लेकिन उनको जो ड्रेस मांगई थी वह पसंद नहीं आई। 24 अगस्त को उन्होंने ड्रेस को वापस करने के लिए इंटरनेट से ई-कॉमर्स कंपनी के कस्टमर केयर का नंबर सर्च किया। वहां से उन्हे एक नंबर मिला, जो फर्जी नम्बर था। जब वृद्धा ने उक्त नम्बर पर फोन लगाया तो बात करने वाले शातिर ठग ने अपने आपको ई-कॉमर्स कंपनी का अधिकारी बताया और झांसे में लेने के लिए पहले ऑनलाइन फार्म भरवाया। फार्म भरवाने के बाद शातिर ठग ने उनके खाते से पहली बार में 2 लाख रुपए निकाल लिए। वह मोबाइल पर मैसेज देखने के बाद कुछ कर पातीं कि तभी ठग ने एक बार फिर 10 लाख रुपए निकाल लिए। तीसरी बार में 03.50 लाख रुपए कुल 15.50 लाख निकाल लिए। ठगी का शिकार पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह को शिकायती आवेदन दिया। अपराध शाखा ने पीड़िता की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 318(4)319(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

छह लाख रुपए होल्ड कराए

महिला को ठगी का पता उस समय लगा जब उसके मोबाइल पर खाते से रुपए निकलने के मैसेज आए। वह माजरा समझ गईं और उन्होंने तत्काल बैंक फोन कर सबसे पहले अपना खाता बंद कराया। इसके बाद वह अपराध शाखा पहुंची और आपबीती सुनाई। अपराध शाखा के साइबर विशेषज्ञ की टीम ने तत्काल 6 लाख रुपए होल्ड करा दिए हैं, लेकिन इससे पहले ठग साढ़े पन्द्रह लाख रुपए की चपत लगा चुके थे।

ऑनलाइन सामान खरीदते समय बरतें सावधानी

सायबर पुलिस द्वारा समय -समय पर लोगों को ठगी से बचने के लिए जागरुकता अभियान शिविर आदि चलाएं जाते हैं। कभी भी ऑनलाइन सामान या सोशल मीडिया पर कोई भी अदान प्रदान कर रहे हैं तो किसी को भी अपने खाते की जानकारी या पासवर्ड शेयर न करें। हेल्पलाइन नम्बरों पर शातिर ठग अपने फ्राड नम्बरों को अंकित कर देते हैं जैसे ही परेशान व्यक्ति उक्त नम्बरों पर सम्पर्क करता है उसे ठगी का शिकार बना लिया जाता है।

इनका कहना है

वृद्धा के साथ ई-कॉमर्स कंपनी का अधिकारी बनकर धोखाधड़ी करने वाले की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ रकम को पुलिस ने होल्ड भी कराया है।

धर्मेन्द्र कुशवाह
थाना प्रभारी, अपराध शाखा

उरवाई गेट पर ट्रक ने युवक को कुचला, मौत

ग्वालियर

बहोड़ापुर थाना क्षेत्र में उरवाई गेट पर ट्रक ने एक युवक को कुचल दिया, युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक पैदल किले की ओर जा रहा था तभी उसके ऊपर से ट्रक निकल गया। पुलिस ने शव विच्छेदन गृह भेज आरोपी की तलाश शुरु कर दी है। रामाजी का पुरा काली माता खो निवासी अरशद पुत्र जाफर हुसैन 30 वर्ष बुधवार को किले पर जा रहा था अभी वह उरवाई गेट के पास पहुंचा ही था तभी ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया। बताया गया है कि अरशद सड़क किनारे चल रहा था उसे पीछे से आ रहे ट्रक ने कुचल दिया। पहियों के नीचे आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक को कुचलने के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। ट्रक में संगत के लोग सवार थे और वह कहीं बाहर से आकर किले पर संगत के लिए जा रहे थे। दुर्घटना में युवक की मौत का पता चलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव विच्छेदन गृह पहुंचाया। युवक के परिजन उसे तलाशते हुए विच्छेदन गृह पहुंचे। जैसे ही उन्होंने शव देखा उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इस संबंध में बहोड़ापुर थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह तोमर का कहना है कि युवक को पीछे से आ रहे ट्रक ने कुचल दिया था आरोपी चालक मौके से फरार हो गया है। पुलिस आरोपी को जल्दी ही गिरफ्तार कर लेगी।

उत्तर मध्य रेलवे के नए महाप्रबंधक बने नरेश पाल

ग्वालियर। 1988 बैच भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरी सेवा के वरिष्ठ अधिकारी नरेश पाल सिंह ने उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाल लिया। यह पद पूर्व महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी के सेवानिवृत्त होने से रिक्त हुआ था। उल्लेखनीय है कि सिंह को यह जिम्मेदारी उनके वर्तमान पद महाप्रबंधक, बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के साथ-साथ अतिरिक्त प्रभार के रूप में सौंपी गई है। नरेश पाल सिंह ने वर्ष 1987 में आईआईटी रुडकी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी। अपने लंबे रेल करियर में उन्होंने मध्य रेलवे के विभिन्न मंडलों में लोको शेड, लोको ऑपरेशन, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन और सामान्य सेवाओं जैसे अहम विभागों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे मध्य रेलवे में मुख्य विद्युत इंजीनियर/रोलिंग स्टॉक, अपर मंडल रेल प्रबंधक (संचालन), मुंबई मंडल, तथा मुंबई रेल विकास निगम में मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना जैसे पदों पर भी कार्य कर चुके हैं।

कंसाना बने दिल्ली के सह प्रभारी

ग्वालियर। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव हेवरन सिंह कंसाना को नई दिल्ली का सह प्रभारी बनाया गया है। श्री कंसाना को नया प्रभार दिए जाने पर युवक कांग्रेस ने बधाई दी है। गैर राजनीतिक परिवार से आने वाले कंसाना पोलिंग बूथ की राजनीति से लेकर दिल्ली तक का सफर तय कर रहे हैं।

पचास लाख की केबल खरीदी के टेंडर में मनमानी

ग्वालियर

नगर निगम की टेंडर सैल में नित नए घोटाले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला पचास लाख की विद्युत केबल के टेंडर में नियम कायदे का उल्लंघन कर मनमानी का है। जिसमें गलत जानकारी और दस्तावेजो में हेरफेर कर पिता पुत्र की फर्म पर मेहरबानी की गई है।

जानकारी के मुताबिक वार्ड क्रमांक 61 से 66 ग्रामीण विधानसभा में खाली पोलों पर विद्युत केबल खरीदी के लिए 50 लाख 84 हजार 100 रुपए में प्रकरण क्रमांक 77/24 गुणा 6/4 के तहत मंजूरी देते हुए टेंडर निकाले गए थे। खास बात यह रही कि इसमें सिर्फ दो फर्मों मनीष रिछारिया एवं मनीष आर रिछारिया ने टेंडर डाले जो पिता पुत्र के बताए गए हैं, इसलिए दोनों की दर 10 एवं 12 प्रतिशत बिलो थी। जिसपर प्रथम निविदा में मनीष आर रिछारिया को 12.12 प्रतिशत कम दर होने पर टेंडर मंजूरी के लिए समिति की ओर भेजा गया। लेकिन उक्त फर्म द्वारा ऑथराइज्ड डीलर होने की शर्त का पालन नहीं किया गया। जिसपर एक ही तिथि यानी कि 13 जनवरी 2025 को ऑथराइज्ड सप्लायर और ऑथराइज्ड डीलर के दो अलग-अलग पत्र लगा दिए गए। जो अपने आप में शंका पैदा करने के लिए पर्याप्त हैं। इतना ही नहीं लोक निर्माण विभाग की निविदा शर्तों में भवन निर्माण कार्य की यह पांच करोड़ से अधिक की निविदा पर बीस प्रतिशत की छूट प्राप्त करने का प्रावधान है, लेकिन यहां मात्र पचास लाख रुपए की केबल खरीदी पर यह लाभ ले लिया गया। इसमें निविदा समिति की प्रमुख अभिलाषा बघेल की अहम भूमिका बताई गई है। जिन्होंने संबंधित ठेकेदार को लाभ पहुंचाने नियम कायदों का उल्लंघन होने दिया।

पहले कर दिया था रिजेक्ट

22 अप्रैल 2025 को इस फर्म को ऑथराइज्ड डीलर अथवा सेलर होने को लेकर नोटिस जरूर थमाया गया, लेकिन ठेकेदार ने 25 अप्रैल को अपने जवाब में सप्लायर व डीलर को एक ही बताते हुए टेंडर खोलने का निवेदन किया। जिसमें कंपनी का एक और पत्र 24 अप्रैल का लगाया गया। जिसपर टेंडर समिति ने यह विवादित निविदा पास कर दी। जबकि समिति के अधिकारी बिंदु क्रमांक दस में कमी बताकर उसे रिजेक्ट कर चुके थे लेकिन बाद में फाइल से यह पत्र गायब कर दिया गया।

70 वर्षीय महिला के पेट से निकाला 8 किलो का ट्यूमर

ग्वालियर

जयारोग्य चिकित्सालय समूह के कमलाराजा अस्पताल के गायनिक विभाग में चिकित्सकों ने एक बुजुर्ग महिला का जटिल ऑपरेशन कर उसे नया जीवनदान दिया है। महिला पिछले दो सालों से पेट दर्द और सूजन से परेशान थी। लेकिन चिकित्सकों ने सफल ऑपरेशन कर आठ किलो वजन का ट्यूमर निकाल दिया। जानकारी के अनुसार भिण्ड निवासी 70 वर्षीय महिला रतनवाला लंबे समय से पेट दर्द और सूजन की गंभीर समस्या से परेशान थीं। उन्होंने कई चिकित्सकों को दिखाया, लेकिन जब आराम नहीं मिला तो कमलाराजा अस्पताल के गायनिक विभाग की ओपीडी में पहुंची। ओपीडी में डॉ. सोनल कुलश्रेष्ठ ने महिला का परीक्षण किया और आवश्यक जांच कराई। एमआरआई की जांच रिपोर्ट में सामने आया कि महिला के पेट में करीब आठ किलो वजन का ट्यूमर है। लेकिन महिला की उम्र अधिक होने के साथ ही उसे रक्तचाप की समस्या भी थी, जिस कारण ऑपरेशन भी काफी जटिल था। लेकिन चिकित्सकों ने महिला के परिजनों की सहमति मिलने पर ऑपरेशन करने का निर्णय लिया और बुधवार को करीब ढाई घंटे तक चले ऑपरेशन में डॉक्टरों की टीम ने बारीकी से काम करते हुए आंतों को सुरक्षित रखा और गर्भाशय को हटाकर ट्यूमर को बाहर निकाला। ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और महिला अब स्वस्थ हैं।

इस जटिल सर्जरी को अंजाम देने वाली टीम में प्रोफेसर डॉ. सोनल कुलश्रेष्ठ, डॉ. मनीषा चौहान, डॉ. प्रीति शर्मा, डॉ. शिवांगी और डॉ. मोहिनी शामिल थीं। वहीं एनेस्थीसिया विभाग के वरिष्ठ चिकित्सकों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम के सामूहिक प्रयास से यह ऑपरेशन सफल हो सका।

इनका कहना है

गायनिक विभाग की टीम ने जटिल ऑपरेशन कर महिला को नया जीवन दिया है। ऑपरेशन में शामिल सभी डॉक्टरों और एनेस्थीसिया विभाग के वरिष्ठ चिकित्सकों को बधाई, यह टीम वर्क की बेहतरीन मिसाल है।

डॉ. आर.के.एस. धाकड़,
अधिष्ठाता गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय

एएसआई की रोक के बाद बदली योजना, पुरानी थाना बिल्डिंग में बनेगी सिर्फ एक मंजिला मार्केट

ग्वालियर

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की आपत्ति के बाद नगर निगम ने किला गेट स्थित पुरानी थाना बिल्डिंग में नया मार्केट बनाने की योजना में बदलाव किया है। पहले जहां इस संरक्षित स्मारक से 100 मीटर दायरे में तीन मंजिला मार्केट बनाकर 55 दुकानें तैयार करने की योजना थी, अब सिर्फ एक मंजिला मार्केट बनेगी जिसमें 22 दुकानें होंगी। यह मार्केट उन दुकानदारों के विस्थापन के लिए तैयार किया जाएगी जिनकी दुकानें हजीरा सब्जी मंडी और किला गेट क्षेत्र में तोड़ी गई थीं। निर्माण पर करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये खर्च होंगे और ट्रैफिक संचालन के लिए किला गेट पर रोटरी भी बनाई जाएगी। वर्तमान में जिस पुरानी इमारत में थाना संचालित हो रहा है, उसे अब अस्थायी तौर पर कन्या विद्यालय में शिफ्ट किया जाएगा। यह स्कूल पहले ही सांदीपनी पटेल स्कूल में स्थानांतरित हो चुका है। हालांकि सेवा नगर में थाने के लिए जमीन आवंटित है, लेकिन नई बिल्डिंग बनने में समय लगने से फिलहाल थाने का संचालन यहीं किया जाएगा।

वीरपुर बांध में डूबकर युवक की मौत

ग्वालियर। शाम के समय हुई मूसलाधार बारिश से ऊफाने वीरपुर बांध में डूबकर एक युवक की मौत हो गई। युवक के डूबने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकाला। बांध से लोगों को दूर रहने के लिए पुलिस मौके पर तैनात रही। गिरवाई निवासी जयवीर उर्फ कल्लू जाटव वीरपुर बांध में डूब गया। बताया गया है कि युवक बांध पर गया था तभी वह गहरे पानी में बह गया। युवक के डूबने का पता चलने पर गिरवाई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकाला। युवक किन परिस्थितियों में पानी में डूबा फिलहाल कारणों का पता नहीं चल सका है। वीरपुर बांध के आसपास लोगों की भीड़ जमा होने पर पुलिस ने लोगों को खदेड़ा। इस संबंध में गिरवाई थाना प्रभारी सुरेन्द्रनाथ सिंह का कहना है कि युवक कैसे डूबा यह पता नहीं चल सका है।

जमीनों की शिकायत करने वाले शासकीय अभिभाषक को हटाया

ग्वालियर। शासकीय जमीनों को लेकर न्यायालयों में लगातार केस हारने पर सरकारी अभिभाषक एवं राजस्व अधिकारियों को कटघरे में खड़ा करने वाले शासकीय अभिभाषक को राज्य शासन ने पद से हटा दिया है। मध्य प्रदेश शासन विधि और विधायी कार्य विभाग के सचिव मुकेश कुमार ने 2 सितंबर को जारी आदेश में जिला न्यायालय ग्वालियर में पदस्थ अतिरिक्त लोक अभियोजक गिरीश शर्मा को पद से हटा दिया है। आदेश में कहा गया है कि श्री शर्मा द्वारा 21 अगस्त को न्यायालय में प्रचलित प्रकरणों के संबंध में मीडिया को भ्रामक एवं तथ्यविहीन जानकारी संबंधी वाइट दी गई। उक्त व्यवहार घोर कदाचार अनैतिक और गैर पेशेवर व्यवहार होने के आधार पर तत्काल प्रभाव से पद मुक्त किया जाता है। उल्लेखनीय है कि श्री शर्मा ने आरोप लगाया था कि विभिन्न न्यायालयों में राजस्व अधिकारी और शासकीय अभिभाषकों के पैरवी न करने के कारण राज्य शासन करोड़ों रुपए की शासकीय जमीनें हार रहा है।

परेशानी

सिविल सर्जन ने जारी किए आदेश, मरीजों की जेब पर बढ़ेगा बोझ

जिला अस्पताल में ड्रेसिंग व प्लास्टर पर लगेगा शुल्क

ग्वालियर

जिला अस्पताल मुरार में इलाज कराने आने वाले मरीजों को अब ड्रेसिंग और प्लास्टर जैसी सेवाओं के लिए भी शुल्क चुकाना होगा। इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ. आरके शर्मा ने आदेश जारी कर दिएहैं। अब तक यह सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध थीं, लेकिन नए आदेश के बाद मरीज को इलाज से पहले निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल में रोजाना औसतन 100 मरीज ड्रेसिंग के लिए आते हैं,

जबकि 20 से 25 मरीजों को प्लास्टर (कच्चा या पक्का) चढ़ाया जाता है। पिछले दिनों हुई रोगी कल्याण समिति की बैठक में शुल्क निर्धारित करने के लिए प्रस्ताव तैयार कर अधिकारियों के पास भेजा गया। अधिकारियों की सहमति के बाद शुल्क निर्धारित कर दिया गया है। इसमें साधारण ड्रेसिंग के लिए 50 और पक्का प्लास्टर के लिए 200 रुपए शुल्क रखा गया है। हालांकि अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि आर्थिक रूप से बेहद कमजोर व जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए अलग से प्रावधान किए जाएंगे, ताकि किसी गंभीर मरीज का उपचार केवल शुल्क के कारण न रुक सके।

विवाद की स्थिति बन सकती है

सरकारी अस्पतालों का उद्देश्य आमजन को सस्ती और सुलभ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। ऐसे में ड्रेसिंग और प्लास्टर पर शुल्क लगाने को लेकर गरीब व मध्यमवर्गीय मरीजों में नाराजगी है। उनका कहना है कि जब प्राथमिक उपचार के लिए शुल्क लिया जाएगा तो निजी अस्पताल और सरकारी अस्पताल में अंतर कम हो जाएगा।

अस्पताल प्रशासन का तर्क

अस्पताल प्रशासन का कहना है कि ड्रेसिंग और प्लास्टर में दवाइयों व संसाधनों पर लगातार बढ़ता खर्च देखते हुए शुल्क लेना आवश्यक हो गया है। इससे अस्पताल की आय भी बढ़ेगी और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सकेगा।

इनका कहना है

प्लास्टर व ड्रेसिंग के लिए शुल्क निर्धारित किया गया है। लेकिन गरीब मरीजों को किसी भी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा।

डॉ. आरके शर्मा
सिविल सर्जन

जिले में बढ़े 255 मतदान केन्द्र, अब 1934

ग्वालियर

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तिकरण किया गया है। इस प्रक्रिया के बाद जिले में 255 नए मतदान केन्द्र बनाए गए हैं, जिससे अब कुल मतदान केन्द्रों की संख्या बढ़कर 1934 हो गई है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधीश एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रुचिका चौहान ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को इस संबंध में जानकारी दी। साथ ही उनसे नए मतदान केन्द्रों पर सुझाव भी आमंत्रित किए। बैठक से पूर्व जिलाधीश ने राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का अवलोकन भी कराया। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी मतदान केन्द्र पर 1200 से अधिक मतदाता नहीं होने चाहिए। निरीक्षण के दौरान जिले में ऐसे 369 मतदान केन्द्र चिन्हित हुए, जहां मतदाताओं की संख्या इस सीमा से अधिक थी। इनमें से 114 मतदान केन्द्रों को नजदीकी केन्द्रों में मर्ज किया गया, जबकि शेष स्थिति में 255 नए केन्द्र स्थापित किए गए। इस व्यवस्था से मतदाताओं को लंबी कतारों से राहत मिलेगी और मतदान प्रक्रिया को अधिक सुचारु बनाया जा सकेगा।

विधानसभा क्षेत्रवार आंकड़े

- ग्वालियर ग्रामीण : पहले 273, अब 305 (32 नए केन्द्र)।
- ग्वालियर : पहले 306, अब 343 (37 नए केन्द्र)।
- ग्वालियर पूर्व : पहले 319, अब 383 (64 नए केन्द्र)।
- ग्वालियर दक्षिण : पहले 254, अब 311 (57 नए केन्द्र)।
- भितरवार : पहले 267, अब 290 (23 नए केन्द्र)।
- डबरा (अजा.) : पहले 260, अब 302 (42 नए केन्द्र)।

सम्पादकीय

उमर खालिद को फिर नहीं मिली जमानत

2020 के दिल्ली दंगों में आरोपी बनाए गए उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशां फातिमा, अतहर खान, अब्दुल खालिद सैफी, मोहम्मद सलीम खान, शिफा-उर-रहमान, मीरान हैदर और शादाब अहमद की जमानत याचिका 2 सितंबर को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस शालिंदर कौर की बेंच ने यह फैसला लिया है। इन सब पर आरोप है कि ये सभी दिल्ली दंगे में किसी श्बड़ी साजिशश का हिस्सा थे। अब ये साजिश कौन सी थी, उसका सच क्या है। क्या वाकई इन्हीं लोगों ने दंगे भड़काए, जैसा कि दिल्ली पुलिस का आरोप है या असल गुनहगार कोई और है, ये सारे खुलासे तो तभी हो पाएंगे जब मुकदमा चलना शुरू होगा। आश्चर्य है कि पिछले पांच सालों से उमर खालिद जेल में बंद हैं, लेकिन उन पर अब तक कोई मुकदमा चलाया नहीं गया है, जहां सुनवाई हो तो आरोपी भी अपना पक्ष रखे, अपने बचाव में तर्क प्रस्तुत करे। पांच सालों में देश और दुनिया में कितना, कुछ बदल गया है। एआई का इस वक्त ऐसा बोलबाला हो गया है कि स्क्रीन पर दिखने वाली कोई घटना, कोई किरदार असली है या नकली इसका पता ही नहीं चलता। सच और झूठ के बीच हमेशा से एक अदृश्य महीन रेखा होती है, जिसे अनुभवी लोग परख लेते हैं। लेकिन एआई ने इन अनुभवों को भी चुनौती दी है। ऐसे में दिल्ली दंगों का सच भी क्या पूरी तरह कभी सामने आ पाएगा, इसमें संदेह है। और जितना ज्यादा वक्त गुजरता जाएगा, सच पर झूठ की परतें चढ़ाना आसान हो जाएगा। इसलिए बेहतर तो यही होता कि इस मामले में मुकदमा चलना शुरू हो जाता। दिल्ली दंगों में ही एक और आरोपी तस्लीम अहमद की जमानत याचिका भी मंगलवार को खारिज हुई है, जिसकी सुनवाई दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ कर रही थी। इस बेंच का कहना है कि दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में विभिन्न समय पर मुकदमे में देरी के लिए आरोपी स्वयं जिम्मेदार हैं, न कि दिल्ली पुलिस या निचली अदालत। गौरतलब है कि करीब छह महीने पहले पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ ने पत्रकार बरखा दत्त को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि उमर खालिद को जमानत इसलिए नहीं मिली क्योंकि उनके वकील बार बार समय मांगते थे। वे मुकदमा शुरू नहीं होने देते और केस स्थगन की मांग जजों से करते थे। इस साक्षात्कार में जस्टिस चंद्रचूड़ ने यह भी कहा था कि सोशल मीडिया पर एक खास नजरिया सामने लाया जाता है, जबकि जजों के पास अपने बचाव के लिए कोई मंच नहीं है। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश रहते हुए डी वाय चंद्रचूड़ ने ही बयान दिया था कि जमानत कोई अपवाद नहीं है, बल्कि एक नियम है और निचली अदालतों में इसे लागू करने में झिझक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई लोगों को जमानत दी और इस बात पर जोर दिया कि जमानत देने में उदारता बरती जानी चाहिए। लेकिन उनके मुताबिक दिल्ली दंगों में आरोपियों के वकील ही जमानत की राह में आड़े आ रहे हैं और यही विचार अब हाईकोर्ट के माननीय जजों ने व्यक्त किए। इस लिहाज से तो अब उमर खालिद समेत तमाम आरोपियों का पक्ष रखने वाले वकीलों को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना चाहिए ताकि अगली बार जमानत की अर्जी लगे तो उसे खारिज करने के नौबत न आए। बिना सुनवाई या सजा के पांच साल का लंबा वक्त जेल में गुजारना न्यायिक व्यवस्था के लिए आदर्श स्थिति नहीं है। पिछले साल अमेरिका के अखबार न्यूयार्क टाइम्स ने उमर खालिद को जेल पर पूरे पन्ने की स्टोरी प्रकाशित की थी, जिसमें मोदी सरकार पर तो गंभीर सवाल उठे ही थे, देश की न्यायिक व्यवस्था पर भी सवाल थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार के लिहाज से भारत की छवि कुछ खास अच्छी नहीं है और ऐसी घटनाएं इस दाग को और गहरा करती हैं। जहां तक उमर खालिद की जमानत इस बार खारिज होने का सवाल है, तो उनके वकील त्रिदीप पैस ने अदालत में तर्क दिया कि उनके खिलाफ आरोप बिना सबूत के हैं और पुलिस ने विरोध प्रदर्शनों को दंगों के साथ जोड़ने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि खालिद ने कोई हिंसा नहीं भड़काई और न ही वह दंगों के दौरान दिल्ली में मौजूद थे। पैस ने यह भी बताया कि खालिद ने एक व्हाट्सएप ग्रुप में केवल पांच संदेश भेजे थे, जिनमें से तीन गूगल मैप्स लोकेशन थे, और एक संदेश में उन्होंने पुलिस की ओर से विरोध प्रदर्शन को रद्द करने की अपील की थी। वहीं दिल्ली पुलिस की दलील है कि खालिद ने श्दिल्ली प्रोटेस्ट सपोर्ट ग्रुप व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए साजिश रची और उनकी गतिविधियां सरकार को घुटनों पर लाने की मंशा को दिखाती थीं। पुलिस ने उनके अमरावती में दिए गए भाषण में इंकलाबी सलाम और क्रांतिकारी इस्तकबाल जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने को हिंसा भड़काने के रूप में पेश किया। यहां दिल्ली पुलिस से पूछा जा सकता है कि जब अनुराग ठाकुर भरी सभा में देश के गद्दारों को गोली मारो, जैसे नारे लगाते हैं, तब क्या हिंसा भड़काने का आान नहीं होता? इंकलाबी सलाम और क्रांतिकारी इस्तकबाल ये जुमले उर्दू में हैं, क्या इस वजह से किसी को हिंसा भड़काने का आरोपी बनाया जा सकता है।

उम्मीदों की चिप से हौसलों की उड़ान भरता भारत

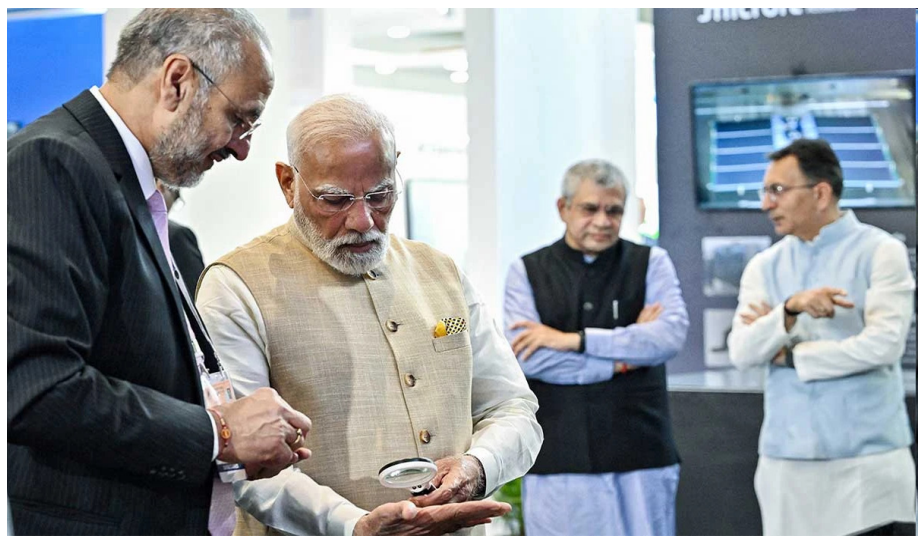

भारत ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया इतिहास रचते हुए अपना पहला पूर्णतया स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर तैयार कर एक तकनीकी क्रांति को आकार दिया है। यह उपलब्धि न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। भारत ने इस तकनीकी क्रांति की तरफ कदम बढ़ते हुए आत्मनिर्भर एवं स्वदेशी तकनीकी प्रगति को नये आयाम दिये हैं। पहला पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित करने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिये इसरो की सेमीकंडक्टर लैब साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं, अब भारत को इस तरह की तकनीक के लिये विदेशों के पराधीन नहीं होना होगा। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है, निश्चित ही इससे भारत की ताकत बढेगी और तकनीक के साथ-साथ यह आर्थिक विकास को तीव्र गति देगा। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। विशेषतः भारत की यह जादूई उपलब्धि अमेरिका को आइना दिखाने वाली है, ट्रंप को यह एक बड़ा झटका है। भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है, जिससे भारत अनेक मोर्चें पर सफलता के परचम फहरायेगा। इस स्वदेशी 32-बिट

माइक्रोप्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अर्धचालक प्रयोगशाला ने अभिकल्पित किया है और इसे विक्रम नाम दिया गया है। यह अंतरिक्ष-मानक माइक्रोप्रोसेसर है, जो मुख्यतः अंतरिक्ष अभियानों और रॉकेट प्रणालियों में प्रयोग के लिए तैयार किया गया है। इसरो ने सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) चंडीगढ़ के साथ मिलकर दो स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विक्रम 3201 और कल्पना 3201 विकसित किए हैं। यह माइक्रोप्रोसेसर प्रक्षेपण यानों के नेविगेशन और नियंत्रण में मदद करेंगे। विक्रम 3201 पूरी तरह भारत में बना पहला 32-बिट प्रोसेसर है। इस कदम से इसरो को विदेशी प्रोसेसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा जिससे अंतरिक्ष में देश की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निश्चित ही इससे भारत ने महाशक्ति बनने की ओर अपनी गति को तीव्रता दी है, जिससे अमेरिका हिला और दुनिया भारत की ताकत से रू-ब-रू हो रही है। अब तक भारत को अनेक जटिल अंतरिक्ष अभियानों के संचालन हेतु विदेशी सूक्ष्म-प्रक्रमकों और अर्धचालक पट्टिकाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। यह विदेशी निर्भरता न केवल आर्थिक दृष्टि से बोझिल थी बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी चुनौतीपूर्ण थी। विक्रम माइक्रोप्रोसेसर के निर्माण से भारत ने इस निर्भरता की बेड़ियों को तोड़ा है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाया है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। प्रधानमंत्री मोदी इसके लिये निरन्तर प्रयासरत है। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं भारत को ऐसे ही विकास के नये शिखरों पर आरोहण कराने का सशक्त माध्यम बन रही है। निश्चित रूप से मोदी सरकार के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल, राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वेदशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी। जिसका असर जियोपॉलिटिक्स पर तो होगा ही, नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा, भारत तकनीकी विकास के नये आयाम उद्घाटित करते हुए विश्व को अचंभित भी करेगा। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति शृंखला को मजबूत बना सकते हैं। 32-बिट क्षमता का अर्थ है कि यह माइक्रोप्रोसेसर अधिक व्यापक स्मृति का उपयोग कर सकता है और जटिल संगणकीय कार्यों को तीव्र गति से संपन्न कर सकता है। अंतरिक्ष अभियानों में जहाँ प्रत्येक क्षण और प्रत्येक संकेत का महत्व होता है, वहाँ इस प्रकार की क्षमता अत्यंत आवश्यक है। यह केवल गति और कार्यकुशलता नहीं देता बल्कि विकिरण-सहनशीलता और दीर्घकालीन स्थिरता जैसे गुण भी समाहित करता है। अंतरिक्ष में प्रबल विकिरण, तापमान का उतार-चढ़ाव और कठोर परिस्थितियाँ होती हैं, जिनका सामना सामान्य माइक्रोप्रोसेसर नहीं कर सकते। इसलिए इस प्रकार का अंतरिक्ष-योग्य माइक्रोप्रोसेसर ही मिशनों की सफलता का आधार बन सकता है। इस उपलब्धि का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके लिए आवश्यक रूपांकन, निर्माण और परीक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया भारत में ही सम्पन्न की गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत अब केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं बल्कि उसका सर्जक भी है। सूक्ष्म-संगणक की यह अभिकल्पना केवल एक चिप का निर्माण नहीं है, यह भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा, उसकी दूरदृष्टि और आत्मविश्वास का परिचायक है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को संबल देने के लिये डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव यानी डीएलआई के तहत दिए जा रहे लाभ के विस्तार के साथ ही, इसके तहत दिये जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। जिसके तहत महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं के लिये केंद्र व राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का सत्तर फीसदी मिलना जारी रह सकता है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत में गेम चेंजर टेक क्रांति माना जा रहा है। इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि भारत के विभिन्न प्रौद्योगिकी संस्थान पहले ही शक्ति और वेगा जैसे स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर पर काम कर चुके हैं। इन प्रयासों ने आधारभूमि तैयार की और आज विक्रम के रूप में वह प्रयास मूर्त रूप में सामने आया है। यह न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र बल्कि रक्षा, चिकित्सा उपकरणों और संचार प्रणाली में भी क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है। निश्चित ही चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। बड़े पैमाने पर उत्पादन, उपकरण-समूह की उपलब्धता, संगणक-कार्यक्रमों का विकास, अनुप्रयोग-तंत्र का विस्तार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणन जैसी प्रक्रियाएँ अभी पूरी करनी होंगी। किंतु भारत ने जिस आत्मविश्वास के साथ इस दिशा में पहला कदम रखा है, वह आश्वस्त करता है कि भविष्य में हम और भी उन्नत सूक्ष्म-प्रक्रमक तैयार करने में सक्षम होंगे। विक्रम केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है, यह भारत की स्वाभिमानी यात्रा का घोष है।

हरित क्रांति के जरिये खाद्य सुरक्षा के सूत्रधार

भारतीय हरित क्रांति के जनक डॉ. मंकोम्बु शांबसिवन स्वामीनाथन का जन्मशताब्दी वर्ष 2025 राष्ट्र के लिए गर्व का क्षण है और भारत के सर्वाधिक प्रभावशाली आनुवंशिकी वैज्ञानिक की शाश्वत विरासत का उत्सव भी। डॉ.एम. एस. स्वामीनाथन ने भारत को भुखमरी के कगार से उबारकर अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया तथा स्थायी खाद्य सुरक्षा की मजबूत नींव रखी। आज की युवा पीढ़ी प्रो. स्वामीनाथन के आदर्शों, दृष्टि और विरासत से अपार प्रेरणा ले सकती है, जिससे यह जन्मशताब्दी केवल स्मरण का दिन न रहकर विज्ञान, कृषि, स्थिरता और सामाजिक समानता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता से सीखने का एक अवसर बन जाती है। बता दें कि डॉ. स्वामीनाथन भारत रत्न से भी नवाजे गये थे वहीं वे सांसद भी रहे। डॉ. स्वामीनाथन का जन्म 7 अगस्त, 1925 को तमिलनाडु के कुम्भकोणम में हुआ था। साल 1943 के बंगाल में अकाल पड़ा जिसमें करीब 30 लाख लोगों की मौत हुई। इस त्रासदी ने बालक स्वामीनाथन को झकझोर दिया। उन्होंने निश्चय किया कि विज्ञान के माध्यम से भुखमरी की समस्या का समाधान ढूंढना है। उन्होंने जूलॉजी से कृषि-विज्ञान की ओर रुख किया और अपना जीवन राष्ट्र में खाद्य-सुरक्षा की खोज को समर्पित कर दिया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली से साइटोजेनेटिक्स में स्नातकोत्तर के बाद उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा दी, जिसमें उनका चयन आईपीएस के लिए हुआ। लेकिन उन्होंने आईपीएस छोड़कर नीदरलैंड्स में यूनेस्को की आनुवंशिकी छात्रवृत्ति स्वीकार की। नीदरलैंड्स से आठ माह बाद स्वामीनाथन इंग्लैंड चले गए और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के प्लांट ब्रीडिंग संस्थान से पीएच.डी. प्राप्त की। इसके उपरांत अमेरिका के विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय में डेढ़ वर्ष पोस्ट-डॉक्टोरल शोध सहायक के रूप में कार्य किया। सन 1954 में डॉ.स्वामीनाथन उस समय भारत लौटे जब देश गंभीर अनाज संकट और विदेशी आयातों पर भारी निर्भरता से जूझ रहा था। साल 1960 के शुरूआती दशक में उन्होंने महान अमेरिकी कृषिविद् डॉ.नॉर्मन बोरलॉग के साथ हाथ मिलाया, जिन्हें व्यापक रूप से ह्यहरित क्रांति के जनकह्ल के रूप में जाना जाता है। डॉ.बोरलॉग और डॉ.स्वामीनाथन ने मिलकर उच्च उत्पादकता वाली और रोग-रोधी गेहूं की किस्मों पर अनुसंधान का मार्ग प्रशस्त किया, जिसने भारतीय कृषि को नई दिशा प्रदान की। जहां डॉ.बोरलॉग की मैक्सिको में विकसित अर्ध-बौनी गेहूं की किस्मों ने पहले ही भुखमरी से पीड़ित अनेक देशों को बचाया था, वहीं डॉ.स्वामीनाथन ने इन किस्मों को भारतीय मिट्टी, जलवायु और खेती की पद्धतियों के अनुरूप ढालकर परिष्कृत किया। यह साझेदारी भारत की हरित क्रांति की चिंगारी भी बनी, जिसने खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की।हरित क्रांति भारत के लिए जीवनदायिनी साबित हुई। देश में खाली अनाज भंडार, कम उपज देने वाली फसलें और विदेशी सहायता पर अस्वस्थ निर्भरता थी। ऐसे समय में डॉ.स्वामीनाथन द्वारा प्रस्तुत नई उच्च उपज किस्म (एचवाईवी) के बीजों ने भारतीय किसानों को वर्षों बाद भरपूर फसल का अनुभव कराया। बंजर खेत अनाज के भंडारों में बदल गए। सबसे लोकप्रिय आईआरद8 धान और मैक्सिकन अर्ध बौनी गेहूं की किस्में थीं। हरित क्रांति ने रासायनिक खाद, सिंचाई तकनीकों और कृषि उपकरणों का भी परिचय कराया। एक दशक में ही भारत का गेहूं उत्पादन 1965 के 1 करोड़ टन से बढ़कर लगभग 2 करोड़ 30 लाख टन तक पहुंच गया। डॉ.स्वामीनाथन की कड़ी मेहनत और समर्पण ने आज के भारत की नींव रखी- भारत विश्व का सबसे बड़ा चावल निर्यातक और दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक है। भारत की हरित क्रांति के शिल्पकार डॉ.एम. एस. स्वामीनाथन ने न केवल देश को अन्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि पूरी दुनिया को सतत कृषि और पर्यावरण संरक्षण की दिशा दिखाई। 1982 से 1988 तक वे फिलीपींस स्थित इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टिट्यूटके महानिदेशक रहे। इसी दौरान उन्हें पहला वर्ल्ड फूड प्राइज (1987) मिला, जिसे उन्होंने एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना में लगाया। आज यह संस्था उनकी पुत्री वैज्ञानिक डॉ.सौम्या स्वामीनाथन के नेतृत्व में कार्यरत है। मैन्ग्रोव वनों की तटीय सुरक्षा में भूमिका को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाने का श्रेय भी उन्हें जाता है। वहीं बतौर संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी परियोजना सह-अध्यक्ष भूख व गरीबी उन्मूलन तथा सतत कृषि पर वैश्विक रणनीतियां बनाईं। सतत विकास और सामंजस्यपूर्ण जीवन पद्धति के प्रबल समर्थक के रूप में, स्वामीनाथन ने बायोहैप्पीनेस की सुंदर अवधारणा प्रस्तुत की। उनके अनुसार वास्तविक खुशी तभी संभव है जब मानव और उसके चारों ओर का प्राकृतिक पर्यावरण दोनों साथ-साथ फलें-फूलें। स्वामीनाथन ने कहा था कृ ह्ययदि कृषि गलत हो जाए, तो और कुछ भी सही नहीं हो सकता।ह्ल 28 सितम्बर 2023 को दुनिया ने डॉ. स्वामीनाथन को खो दिया। उनके द्वारा समर्थित आदर्श आज भी एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं।

शिक्षक दिवस पर विशेष! चलें ज्ञान की ओर, शिक्षा के प्रकाश के मार्गदर्शक शिक्षक

संजीव ठाकुर

नैसर्गिक रुप से हर संतान की प्रथम शिक्षिका माता ही होती है। जीवन के संसार में प्रवेशके बाद प्रतीक ज्ञान की शालाओं के शिक्षको की भूमिका उसके संपूर्ण शिक्षकीय जीवन में छात्रों के लिए ज्ञान के दिग्दर्शन, देश के श्रेष्ठ नागरिक बनाने और मानविय संवेदनाओं को जीवन मे मार्गदर्शित करने की होती है। इस संदर्भ में डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अत्यंत सारगर्भित बात कही कि शिक्षक वह नहीं है जो विद्यार्थी के दिमाग में तथ्यों को बोझ बनाएं बल्कि वास्तविक शिक्षक वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करें द फिलॉसफी ऑफ ऑफ उपनिषद, ईस्ट वेस्ट सम रिफ्लेक्शंस, इंडियन फिलासफी, हिंदी व्यू ऑफ लाइफ जैसी गूढ किताबों की रचना करने वाले 40 वर्ष तक शिक्षक का कार्य सफलतापूर्वक निर्वहन करने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितंबर को पूरे भारत में शिक्षक दिवस के रूप में हम बड़े आदर श्रद्धा पूर्वक म,नाते हैं। (वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी कहा है कि विद्यार्थियों में आनंद का भाव और ज्ञान के आनंद को पैदा करना शिक्षकों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण और कार्य है।) आज शिक्षा के निजीकरण के बाद शिक्षा एक व्यवसाय का रूप लेती नजर आ रही है, इसलिए शिक्षकों को व्यवहार में भी आमूल चूल परिवर्तन देखा गया और यही कारण है कि शिक्षकों के सम्मान एवं उन

पर विश्वास में कुछ वर्षों में काफी कमी आई है ।शिक्षकों के सम्मान में आई इस कमी के लिए केवल छात्र, वर्तमान का भौतिक युग और अभिभावक ही दोषी नहीं है बल्कि शिक्षक भी इस में समान रूप से कहीं न कहीं दोषी पाए गए हैं। शिक्षक दिवस मनाने के उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों शिक्षकों के महत्व को बताते हुए उन्हें सम्मान देने के लिए प्रेरित करना है बल्कि शिक्षकों को उनकी भूमिका एवं उत्तरदायित्व का आभास भी करवाने के लिए शिक्षक दिवस मनाया जाता है। वैसे तो यह विदित है कि शिक्षक महोदय का कार्य अध्यापन करना होता है किंतु अध्यापन के उद्देश्य की पूर्ति तब ही हो सकती है जब इसके अतिरिक्त विद्यालय, महाविद्यालय की अनुशासन व्यवस्था में सहयोग करके शिष्टाचार का पालन अपने सहकर्मियों के साथ सकारात्मक व्यवहार एवं पाठ्यक्रम के अन्य क्रियाकलापों में भी अपनी सहभागिता, सहयोग रखना भी होता हैस शिक्षकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह एक आदर्श रूप सदैव धारण किए रहे और अनुशासन ,समय की प्रतिबद्धता एवं जितने भी कार्य का दायित्व उसे सौंपा जाए वह उसे 100: निष्ठा और कर्तव्य परायणता के साथ संपादित करें किन्तु हम यह भूल जाते हैं कि शिक्षक भी एक इंसान ही होता है वह हर कार्य में संपूर्ण रूप से खरा नहीं उतर सकता फिर ऐसे में किसी व्यक्ति से संपूर्ण रुप से आदर्श व्यक्ति होने की अपेक्षा रखना कितना न्यायोचित होगा। राष्ट्र के निर्माण में जिन शिक्षकों की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण होती है और नवोदित बालकों को प्राथमिक शिक्षा से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक एवं राजनेता बनाते तक शिक्षक इनका दिग्दर्शन करते हैं को केवल एक दिन सम्मान देकर भूल जाना कतई उचित नहीं है. वैसे शिक्षक दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 5 अक्टूबर को मनाया जाता है और इसकी शुरूआत 1994 में यूनेस्को में की गई थी अमेरिका ,चीन ,इजराइल एवं अन्य यूरोपीय देशों में शिक्षक दिवस अलग-अलग दिवसों में मनाया जाता हैस शिक्षक और शिक्षा एवं ज्ञान का बुनियादी स्वरूप किसी भी राष्ट्र की शक्ति एवं विकास का आधार स्तंभ होते हैंस किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए शिक्षा और शिक्षकों के महत्व को आत्मसात करते हुए शिक्षा के कार्य को सभी कार्यों से श्रेष्ठ समझ कर उसे सर्व कालीन सम्मान दिया जाना चाहिए ,जबकि विकासशील देशों में भारत सहित शिक्षकों को वह स्थान नहीं दिया जा रहा है जिसके वे मूल हकदार हैं उन्हें उचित वेतनमान एवं आर्थिक सहायता भी उच्च स्तर की प्राप्त होनी चाहिए जिससे वह अपना शत-प्रतिशत छात्रों को समर्पित कर सकेंस यूरोपीय देशों में शिक्षकों के महत्व को दशार्ते हुए वहां उनका वेतन डॉक्टर, इंजीनियर, एवं अन्य प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों से अधिक प्रदान किया जाता है ।

मदद का संकल्प

उत्तर से दक्षिण भारत तक जब भी कोई आपदा या संकट देश पर आया है, पंजाबियों ने आगे बढ़-चढ़कर पीड़ितों की मदद की है। पंजाब की धरा से गुरुओं व पीर-पैगम्बरों ने मानवता के उत्थान व मिल-जुलकर खाने की सीख दी है। गुरुओं का यह संदेश देश-दुनिया में प्रेरणा का प्रतीक बना हुआ है। ऐसे वक्त में जब पंजाब बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहा है तो शेष देश के लोगों को निस्वार्थ भाव से आगे आने की जरूरत है। उल्लेख करना जरूरी है कि पंजाब के लोग हमेशा बेहद स्वाभिमानी रहे हैं। इस सीमावर्ती राज्य ने गाहे-बगाहे विभिन्न चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है। मध्यकाल में विदेशी आक्रांता रहे हों या आजादी के बाद पाकिस्तान के आक्रमण, पंजाबियों ने भारत की सुरक्षा ढाल बनकर जीवटता का परिचय दिया है। यहां जरूरी है कि किसी मदद से पहले पंजाबियों के स्वाभिमान का विशेष ख्याल रखा जाए। यूं तो इस आपदा की घड़ी में सेना के अलावा पंजाब के विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठन अपने स्तर पर लोगों को संकट से उबारने के काम में प्राणपण से लगे भी हुए हैं। लेकिन आपदा का बड़ा स्तर देखते हुए शेष देश से योगदान की उम्मीद की जा रही है। निस्संदेह, आपदा का दायरा बड़ा है, जिसमें राज्य के 23 जिलों में करीब तीन लाख से अधिक लोग जलप्लावन का त्रास झेल रहे हैं। बड़े पैमाने पर कृषि भूमि जलमग्न हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि संकट की इस घड़ी ने लोगों को स्वतरूस्फूर्त रूप में एकजुट किया है। पंजाबियों का जज्बा देखिए कि सरकारी मदद पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने उफनते पानी में नावें उतार दीं। उन्होंने न केवल पड़ोसियों, बच्चों-बूढ़ों को बचाया, बल्कि पशुओं को बचाने के लिये भी भरसक प्रयास किए। सारी दुनिया में मानवता का पर्याय बने लंगर लगाए गए। जगह-जगह अस्थायी आश्रय स्थल बनाए गए। बिना किसी संकोच के राशन बांटा गया। निस्संदेह, पंजाबियों की यह भावना कोई पहली बार नहीं देखी गई। अपने देश में ही नहीं, विदेशों में भी मदद के तमाम प्रेरणादायक उदाहरण हमारे सामने हैं। अब चाहे तुर्की का भूकंप हो या केरल में प्राकृतिक आपदा का तांडव, पहले प्रतिक्रिया देने वालों के रूप में पंजाबियों की विशिष्ट पहचान रही है। खालसा एड, यूनाइटेड सिख्स, हेमकुंट फाउंडेशन और अनगिनत स्थानीय गुरुद्वारों से जुड़े संगठनों ने मुश्किल वक्त में तेजी से काम किया है। जरूरतमंद लोगों तक भोजन,पानी,दवा और चारा पहुंचाया है। गुरुदासपुर और कपूरथला में स्वयंसेवकों ने कमर तक गहरे पानी में जाकर संकटग्रस्त लोगों को बाहर निकाला है। इतना ही नहीं, पशु चिकित्सक ग्रामीण क्षेत्रों में फंसे मवेशियों की देखभाल कर रहे हैं। वित्तीय मदद भी मिल रही है, जिसे राज्य व केंद्र सरकार द्वारा अविलंब बढ़ाए जाने की जरूरत है। इसके साथ ही गैर सरकारी संगठन, परोपकारी लोग और यहां तक कि कलाकार भी लोगों की मदद व पुनर्वास का संकल्प ले रहे हैं। एक पंजाबी सेलिब्रिटी ने 200 घरों के लिये सहायता का वायदा किया है। जो इस बात का प्रमाण है कि कैसे सांस्कृतिक हस्तियां तबाही की विभीषिका कम करने के लिये सामुदायिक समूहों के साथ आगे आ रही हैं। निस्संदेह, इस संकट की घड़ी में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, वायु सेना ने नावों, हेलीकॉप्टरों और राहत शिविरों के जरिये पीड़ितों को तात्कालिक राहत पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया है। वे तसवीरें मानव सेवा के संकल्प को दशार्ती हैं, जिसमें ग्रामीणों ने ट्रैक्टर-ट्रालियों को जीवन रक्षक नौकाओं में तब्दील कर दिया है। प्रवासी समूहों द्वारा आर्थिक मदद भेजना भी एक सुखद पहल है। निस्संदेह, पंजाब में इस सेवा की संस्कृति और निस्वार्थ पहल की बार-बार परीक्षा भी हुई है। लेकिन जब आपदा का स्तर विकराल हो तो महज इस सद्भावना से ही संकट का निवारण संभव नहीं है। पंजाब में अब बाढ़ पीड़ितों को तेजी से मुआवजा देने, पारदर्शी ढंग से फसल की क्षति का मूल्यांकन तथा घरों के पुनर्निर्माण में तेजी लाने की जरूरत होगी। अगर सरकारी तंत्र और नागरिक समाज मिलकर अपनी ऊर्जा का उपयोग करे, तो न केवल पंजाब इस प्राकृतिक आपदा से जल्दी उबर पाएगा, बल्कि ये प्रयास एक प्रेरणादायक पहल के रूप में पूरे देश का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

सीमेंट और स्टील पर जीएसटी दर में कटौती से रियल एस्टेट को मिलेगा बढ़ावा, जानें उद्योग विशेषज्ञों की राय

जीएसटी परिषद ने सीमेंट और स्टील पर GST 28% से घटाकर 18% करने का फैसला किया है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इस कटौती से न केवल निर्माण लागत में कमी आएगी, बल्कि घर खरीदारों की धारणा भी मजबूत होगी। वे खरीद संबंधी निर्णय लेने में तेजी लाएंगे, जिससे रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचा क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। परियोजना लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी सीबीआरई के भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के अध्यक्ष एवं सीईओ अंशुमान मैगजीन ने इस कदम के लागत प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सीमेंट, स्टील और अन्य इनपुट आमतौर पर कुल निर्माण लागत का लगभग 40-45 प्रतिशत हिस्सा होते हैं। इसलिए इस कटौती से परियोजना लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी। डेवलपर्स अब इस बचत का कुछ हिस्सा घर खरीदारों को दे सकते हैं, जिससे घर की सामर्थ्य बढ़ेगी और सभी क्षेत्रों में मांग बढ़ेगी।

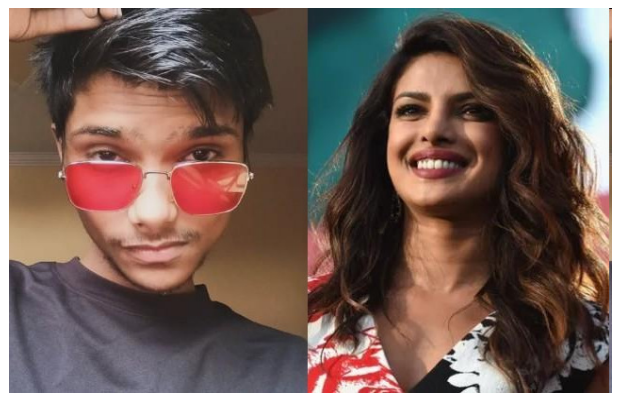

हरिद्वार के डिलीवरी बॉय के यूनिक वीडियो स्टाइल की फैन हुई प्रियंका चोपड़ा, कमेंट कर दी बधाई

सोशल मीडिया पर हर दिन कोई ना कोई नया चेहरा सामने आता है, लेकिन कुछ लोग अपनी अलग और अनोखी स्टाइल से लोगों का खूब अटेंशन खींचते हैं। ऐसा ही एक नाम है बेंजामिन रायन गौतम का, जो हरिद्वार के हैं और पार्ट-टाइम

ब्लिंकिट में डिलीवरी का काम करते हैं। बेंजामिन ने हाल ही में अपनी मजेदार और यूनिक वीडियो स्टाइल से इंस्टाग्राम पर धूम मचा दी है। खास बात तो ये है कि उनके इस वीडियो स्टाइल की एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भी फैन हो गई हैं। बेंजामिन की ज्यादातर वीडियो की शुरूआत एक स्टील के गिलास को हाथ में लेकर उनके फेमस डायलॉग इट्स दिहाड़ी टाइम से होती है। उनके इस अंदाज ने सोशल मीडिया यूजर्स के दिलों में खास जगह बना ली है। जहां दूसरे कंटेंट क्रिएटर्स अपने वीडियो में हाई-एंड ट्रांजिशन और प्रीमियम सेटअप का इस्तेमाल करते हैं, वहीं बेंजामिन का कंटेंट बेहद साधारण, मजेदार और सच्चाई से जुड़ा होता है। हाल ही में बेंजामिन के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 1 लाख फॉलोअर्स पूरे हुए। इस खास मौके पर उन्होंने एक केक काटकर अपने फॉलोअर्स और भगवान का शुक्रिया अदा किया। इसी सेलिब्रेशन वीडियो को लोगों ने खूब पसंद किया। इसी बीच पर बॉलीवुड और हॉलीवुड सुपरस्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस ने भी कमेंट किया और खुद को बेंजामिन का फैन बता डाला। प्रियंका ने कमेंट किया, बधाई हो... मैं तुम्हारी फैन हूं! प्रियंका के इस कमेंट के बाद बेंजामिन की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने जवाब में लिखा द्दष्कोई मुझे चुटकी काटो, ये कोई सपना तो नहीं। प्रियंका चोपड़ा मैम ने मुझे बधाई दी है। मैं आपको देखकर बड़ा हुआ हूं और अब मेरा मन खुशी के मारे चिल्ला रहा है। मैं आपको एडमायर करता हूं, मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। बेंजामिन सिर्फ एक डिलीवरी बॉय नहीं हैं। वह एक कॉलेज स्टूडेंट हैं और पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट-टाइम काम करते हैं। उनका सपना है कि वह एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाएं। इंस्टाग्राम पर उनकी बायो में लिखा है द्दचतमंकपदह श्रवल ंदक ळववक टपइमे इसके साथ ही वह खुद को डांसर भी बताते हैं और कहते हैं कि वह अपने सपनों के पीछे दौड़ रहे हैं।

कंतारा : चौप्टर 1 में ऋषभ शेट्टी ने बिना बॉडी डबल दिए खतरनाक स्टंट

होम्बले फिल्म्स की कंतारा चौप्टर 1 सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। 2022 में आई कंतारा की जबरदस्त सफलता के बाद, इसे बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त परफॉर्मेंस के कारण सबसे बड़ी स्लीपर हिट का दर्जा दिया गया। ऐसे ने अब इसका प्रीक्वल उस लेगेसी को आगे ले जाने का वादा करता है, जिससे दर्शकों का उत्साह और भी ज्यादा बढ़ गया है। साल की सबसे बड़ी फिल्म होने के नाते, ऋषभ शेट्टी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं और उन्होंने अपने सभी स्टंट खुद बिना किसी बॉडी डबल के किए हैं। कंतारा चौप्टर 1 के एक्शन-स्टंट कोरियोग्राफर अर्जुन राज ने बताया कि, हमने ऋषभ के लिए बॉडी डबल का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने बिना किसी मदद, खुद अपने स्टंट किए हैं। उनका बॉडी लैंग्वेज इतना अलग है कि कोई डुप्लीकेट कॉपी नहीं कर सकता। उन्होंने कलारिपयट्ठ, तलवारबाजी और घुड़सवारी की ट्रेनिंग ली है। इसके बावजूद जो रिस्क उन्होंने उठाए, वो सिर्फ उनकी हिम्मत और जज्बे से संभव हुआ है। मैंने कई एक्टर्स के साथ काम किया है, लेकिन ऋषभ सिर्फ इतना नहीं कहते कि मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश करूंगा बल्कि वो कहते हैं मैं जब तक जिंदा हूं, मैं करूंगा। यही स्पिरिट सबकुछ बदल देती है। होम्बले फिल्म्स की कंतारा चौप्टर 1 सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है। इसकी क्रिएटिव टीम की बात करें तो इसमें म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंगालन शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर इस फिल्म के विजुअल से लेकर इमोशनल नैरेटिव को खूबसूरती से आकर दिया है।इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मेकर्स ने कंतारा चौप्टर 1 के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट के साथ एक बड़ा वॉर सीक्वेंस तैयार किया है।

अनुष्का शेट्टी स्टारर घाटी ट्रेलर देख प्रभास ने जाहिर की उत्सुकता, टीम को दी शुभकामनाएं

डिजिटल पैन इंडिया सुपरस्टार प्रभास की वजह से क्राइम ड्रामा घाटी के इर्द-गिर्द चर्चा और तेज हो गई है। ऐसे में प्रोजेक्ट के लिए प्रभास द्वारा दिए गए संदेश ने सिर्फ ध्यान नहीं खींचा है, बल्कि बाहुबली की इस जोड़ी के बीच की बॉन्डिंग की वजह से इस प्रोजेक्ट के लिए उत्सुकता भी बढ़ा दी है। बता दें कि अनुष्का शेट्टी, जिन्हें प्यार से स्वीटी उनके करीबियों द्वारा कहा जाता है, वह इस हाई-ऑक्टेन एक्शन क्राइम ड्रामा में अहम भूमिका निभा रही हैं। सोशल मीडिया पर प्रभास ने फिल्म के ट्रेलर को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए, अपनी लॉन्गटाइम को-स्टार और दोस्त अनुष्का शेट्टी के लिए एक दिल से लिखा संदेश पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने लिखा है। रुळींजप का ट्रेलर बहुत दमदार और दिलचस्प लग रहा है। इस शानदार रोल में तुम्हें देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता, स्वीटी। पूरी टीम को मेरी तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएँ! घाटी को कृष जगरलामुडी ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म एक जबरदस्त सिनेमाई सफर का वादा करती है, जिसकी कहानी एक गंभीर और सच्ची दुनिया पर आधारित है। फिल्म में शानदार स्टार कास्ट है, जिसमें अनुष्का शेट्टी लीड रोल में हैं, वहीं उनके साथ विक्रम प्रभु, चौतन्य राव मडाडी, और अनुभवी एक्टर जगपति बाबू भी स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं। प्रोडक्शन की बात करें तो घाटी को राजीव रेड्डी येदुगुरु और साई बाबू जगरलमुदि ने फर्स्ट फ्रेम एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। यह यूवी क्रिएशन्स की पेशकश है, जिसे एक पावरहाउस प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन हाउस के रूप में जाना जाता है। बता दें कि इसे प्रभास ने प्रमोद उप्पलापति और वी. वामसिक्रिष्ण रेड्डी के साथ मिलकर स्थापित किया है। प्रभास के एंडोर्समेंट की वजह से घाटी के आसपास की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। फैंस बेसब्री से अनुष्का शेट्टी को उनके अब तक के सबसे इंटेंस अवतार में देखने का इंतजार कर रहे हैं। ट्रेलर ने पहले ही ऑनलाइन धूम मचा दी है। ऐसे में जबरदस्त टीम के साथ घाटी इस साल की सबसे चर्चित तेलुगु फिल्मों में से एक बनने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उत्साह को और बढ़ाते हुए, बाहुबलीरू द एपिक के री-रिलीज में बाहुबली की सबसे पसंदीदा जोड़ी प्रभास और अनुष्का शेट्टी को बड़ी स्क्रीन पर फिर से साथ देखने मिलने वाला है। इस तरह से फैंस उनकी आइकॉनिक केमिस्ट्री को फिर से सिल्वर स्क्रीन पर देखने का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं।

अमिताभ बच्चन ने अनुराग कश्यप की फिल्म निशानची का ट्रेलर किया शेयर, भेजा प्यार भरा संदेश

निशानची साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसमें ऐश्वर्या ठाकरे और वेदिका पिंटो ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। इस फिल्म का निर्देशन प्रशंसित फिल्म निमार्ता अनुराग कश्यप ने किया है, जो कई कल्ट क्लासिक फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। एक नई और होनहार जोड़ी और इस क्राइम ड्रामा में कश्यप की अपनी कच्ची और गंभीर कहानी कहने की शैली के साथ, फिल्म को लेकर चचाएँ बेकाबू हो गई हैं। हाल ही में रिलीज हुआ ट्रेलर सभी प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहा है और दर्शकों, आलोचकों और यहाँ तक कि बॉलीवुड सितारों से भी सराहना बटोर रहा है। इस उत्साह को और बढ़ाते हुए, भारतीय सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन ने अब निशाँची की टीम को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। अपने सोशल मीडिया पर ट्रेलर शेयर करते हुए, बिग बी ने लिखा, मेरी शुभकामनाएँ। खुद मेगास्टार का आशीर्वाद इस बात का सबूत है कि फिल्म का ट्रेलर वाकई प्रभावशाली है।निशानची के ट्रेलर में ऐश्वर्या ठाकरे जुड़वाँ भाइयों

बबलू और डबलू की दोहरी भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो दिखने में एक जैसे हैं, लेकिन मूल्यों में जमीन-आसमान का फर्क है। 2000 के दशक की शुरूआत में उत्तर प्रदेश के एक छोटे से शहर में स्थापित, यह फिल्म प्रेम, प्रतिद्वंद्विता और भावनाओं को एक्शन, रोमांस, ड्रामा और टकराव के साथ बुनती है, जो अनुराग कश्यप की कच्ची, गंभीर कहानी कहने की सशक्त वापसी को दशार्ती है। ऐश्वर्या ठाकरे के दमदार अभिनय करियर की शुरूआत के साथ, इस फिल्म में वे एक सशक्त दोहरी भूमिका में हैं, जिसमें वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। जार पिक्चर्स के बैनर तले अजय राय और रंजन सिंह द्वारा निर्मित और फ्लिप फिल्म्स के सहयोग से निर्मित, निशानची का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है और इसे प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और खुद कश्यप ने लिखा है।

शायद मेरा देशभक्ति से पिछले जन्म का कोई कनैक्शन, ऐसे ही रोल ऑफर होते हैं: मधुरिमा तुली

फिल्म बेबी से दर्शकों के दिलों में अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मधुरिमा तुली हाल ही में फिल्म तेहरान में नजर आईं। जी5 पर रिलीज हुई इस फिल्म में उनके अभिनय की जमकर सराहना हो रही है। लंबे ब्रेक के बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने वाली मधुरिमा ने खास बातचीत की। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश प्रश्न 1 फिल्म तेहरान को और उसमे आपके काम की तारीफ हो रही है। कैसा महसूस कर रही हैं? जवाबः बहुत अच्छा लग रहा है। सच कहूं तो तीन साल लगे इस फिल्म को रिलीज होने में और जब इतनी मेहनत के बाद दर्शकों से इतना प्यार मिल रहा है तो दिल खुश हो जाता है। मुझे बहुत सारे मैसेज आ रहे हैं तारीफें मिल रही हैं। यह सब थोड़ा ओवरव्हेल्मिंग है लेकिन बहुत ही अच्छा लग रहा है। प्रश्न 2 इतने लंबे गैप के बाद फिल्म स्पेस में लौटना था घबराहट तो रही होगी? जवाबः बिल्कुल थी। सोच रही थी कि मेरा रोल कितना प्रभावशाली होगा या लोग उसे पसंद करेंगे भी या नहीं। आजकल का दौर ऐसा है कि जो दिखता है वही बिकता है। लेकिन भगवान की कृपा रही कि सब अच्छा हुआ और दर्शकों को फिल्म व मेरा किरदार पसंद आया। ये एक ऐसी फिल्म जो आज कल लोगों को देखनी पसंद आती है। प्रश्न 3 फिल्म तेहरान से जुड़ने का मौका कैसे मिला? जवाबः मैं उस समय कुछ म्यूजिक वीडियोज कर रही थी और लगातार ऑडिशन व लुक टेस्ट दे रही थी। तभी मेरे मैनेजर को कॉल आया। प्रोडक्शन हाउस को मेरी तस्वीरें भेजी गईं थीं और उन्हें याद आया कि मैं बेबी में थी। उन्होंने लुक टेस्ट के लिए बुलाया और फिर मुझे कुछ सीन दिए। रोल छोटा था लेकिन असरदार था, तो मैंने तुरंत हां कर दी।दो हफ्ते इंतजार करना पड़ा और आखिरकार गुड न्यूज मिल गई। प्रश्न 4 देशभक्ति जैसी फिल्मों में अक्सर कहानी हीरो या नेशन पर केंद्रित होती है। ऐसे में कभी लगा कि आपका किरदार दब जाएगा? जवाबः नहीं, मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगा। मेरा मानना है कि आर्मी ऑफिसर्स या कॉप्स की जिंदगी में उनका परिवार बहुत अहम भूमिका निभाता है। फिल्म में मेरे किरदार वंदना की भी कहानी बहुत अहम है। वह एक महत्वपूर्ण जानकारी देती है जिससे कहानी आगे बढ़ती है। इसलिए मुझे असुरक्षा महसूस नहीं हुई। प्रश्न 5 फिल्म की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा? जवाबः शुरूआत में बहुत नर्वस थी। डर था कि कहीं कैमरे के सामने ब्लैंक न हो जाऊं क्योंकि सेट पर काफी सारे लोग होते हैं, आपके को-एक्टर्स होते है लेकिन जब आप तैयारी करके जाते हैं तो चीजें आसान हो जाती हैं। निर्देशक और सह-कलाकारों ने बहुत मदद की। उनकी वजह से काम आराम से और अच्छे से हो गया। प्रश्न 6 छोटे रोल के बावजूद आपकी खूब तारीफ हो रही है। यह सुनकर कैसा लगता है? जवाबः सच बताऊं तो शब्द कम पड़ जाते हैं जब इतने बड़े-बड़े किरदारों के बीच मेरा भी नाम आ रहा है तो बहुत खुशी होती है। दर्शकों का प्यार ही असली इनाम है।

जीएसटी सुधारों को पीयूष गोयल ने बताया 'गेम चेंजर', कहा- फार्मा से लेकर एमएसएमई को होगा लाभ

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधारों को परिवर्तनकारी करार दिया। उन्होंने कहा कि इसका फार्मा से लेकर हमारे एमएसएमई तक अनेक क्षेत्रों को लाभ होगा।यह कदम 2047 तक विकसित भारत बनने की यात्रा में आने वाले महीनों और वर्षों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधारों को परिवर्तनकारी बताया है। उन्होंने उद्योग जगत से इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने को कहा है। इंडिया मेडटेक एक्सपो 2025 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि जीएसटी में कटौती से हर उपभोक्ता को लाभ होगा। अनेक क्षेत्रों पर इसका सकारात्मक असर पडेगा गोयल ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में की गई अनेक पहलों के फलस्वरूप कल जीएसटी में अप्रत्यक्ष करों में जो सुधार किया गया, वह परिवर्तनकारी है। इसका फार्मा क्षेत्र को लाभ होगा। साथ ही किसान से लेकर हमारे एमएसएमई तक अनेक क्षेत्रों पर इसका सकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक हितधारक, प्रत्येक उपभोक्ता को इसका लाभ मिलेगा। जीएसटी सुधारों को ग्गेम चेंजरर करार देते हुए मंत्री ने कहा कि यह कदम 2047 तक विकसित भारत बनने की यात्रा में आने वाले महीनों और वर्षों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

'जेलेंस्की तैयार हैं तो मॉस्को आ सकते हैं'

पुतिन ने जताई संघर्षविराम पर वार्ता की संभावना

बीजिंग (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर जारी गतिरोध के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संकेत दिया है कि वह यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मिलने को तैयार हैं। पुतिन ने कहा कि यदि बैठक अच्छी तरह तैयार की जाए और उससे सकारात्मक परिणाम निकलें, तो जेलेंस्की मॉस्को आ सकते हैं। इस बयान ने युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान की संभावनाओं को लेकर नई बहस छेड़ दी है। चीन दौरे से लौटने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पुतिन ने कहा कि उन्होंने कभी भी जेलेंस्की से मिलने की संभावना से इनकार नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह बैठक तभी होनी चाहिए जब यह यूक्रेन के संविधान के दायरे में और सकारात्मक परिणाम देने वाली हो। पुतिन ने यह भी बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनसे इस बारे में सवाल किया था और उन्होंने इसे संभव बताया। रूस की सुरक्षा चिंताएं और नाटो पर आपत्ति पुतिन ने दोहराया कि हर देश को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने का अधिकार है, लेकिन किसी भी देश की सुरक्षा दूसरे देश की कीमत पर नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की नाटो सदस्यता रूस के लिए सीधी सुरक्षा चुनौती है। हालांकि, पुतिन ने यह स्पष्ट किया कि यूक्रेन को यूरोपीय संघ में शामिल होने पर रूस की उतनी कड़ी आपत्ति नहीं है, क्योंकि यह उसकी आर्थिक गतिविधियों का हिस्सा है। यूक्रेन का जवाब और सात देशों की पेशकश पुतिन के बयान के तुरंत बाद यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कम से कम सात देशों ने रूस-यूक्रेन वार्ता की मेजबानी की पेशकश की है, जिनमें ऑस्ट्रिया, स्विट्जरलैंड, वेटिकन, तुर्किये और खाड़ी देशों के तीन राष्ट्र शामिल हैं। सिबिहा ने पुतिन के प्रस्ताव को जानबूझकर अस्वीकार्य बताया और कहा कि रूस वास्तविक शांति प्रक्रिया से बच रहा है। बहुध्रुवीय दुनिया की वकालत पुतिन ने अपने बयान में एक और अहम बात कही। उन्होंने कहा कि अब एकध्रुवीय दुनिया का अंत होना चाहिए और सभी देशों को बराबरी का अधिकार मिलना चाहिए। पुतिन ने साफ कहा कि किसी एक देश को विश्व राजनीति और सुरक्षा पर हावी नहीं होना चाहिए। उन्होंने ब्रिक्स और एससीओ जैसे संगठनों को बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का प्रतीक बताया। भारत-चीन की अहमियत और पश्चिम पर निशाना पुतिन ने कहा कि आज की दुनिया में भारत और चीन जैसे आर्थिक दिग्गजों की भूमिका अहम है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि रूस भी दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि आर्थिक ताकत को राजनीतिक या सुरक्षा प्रभुत्व में नहीं बदलना चाहिए। पुतिन ने पश्चिमी देशों, खासकर ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए व्यापारिक टैरिफ और रूस पर प्रतिबंधों को लेकर भी अप्रत्यक्ष हमला बोला। मोदी से बातचीत और सकारात्मक नतीजे पुतिन ने बताया कि एससीओ सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बातचीत बहुत सकारात्मक रही। उन्होंने कहा कि उन्होंने मोदी को अलास्का में ट्रंप के साथ हुई बातचीत की जानकारी भी साझा की।

अमेरिकी राष्ट्रपति की हमास को चेतावनी, कहा- एक साथ 20 बंधकों को मुक्त करे, तेजी से बदलेंगी चीजें

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर हमास सभी 20 बंधकों को तुरंत वापस कर दे (2 या 5 या 7 नहीं!), और चीजें तेजी से बदल जाएंगी। यह खत्म हो जाएगा! ट्रंप इस्त्राइल और हमास दोनों पर दबाव बना रहे हैं कि वे युद्धविराम और बंधकों के मुद्दे पर कोई समझौता करें, ताकि यह युद्ध खत्म हो सके।

उन्होंने पहले भी हमास को युद्ध खत्म करने के लिए चेताया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर हमास को चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि हमास को तुरंत सभी 20 बंधकों को मुक्त करना चाहिए। अगर ऐसा हुआ तो तेजी से चीजें बदल जाएंगी। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर हमास सभी 20 बंधकों को तुरंत वापस कर दे (2 या 5 या 7 नहीं!), और चीजें तेजी से बदल जाएंगी। यह खत्म हो जाएगा! ट्रंप इस्त्राइल और हमास दोनों पर दबाव बना रहे हैं कि वे युद्धविराम और बंधकों के मुद्दे पर कोई समझौता करें, ताकि यह युद्ध खत्म हो सके। उन्होंने पहले भी हमास को युद्ध खत्म करने के लिए चेताया था। इस्त्राइल और हमास में युद्ध खत्म करने के तरीके पर मतभेद करीब 21 महीनों से जारी इस युद्ध के दौरान इस्त्राइल और हमास के बीच कई बार युद्धविराम वार्ता हुई है, लेकिन हर बार यह इस बात पर अटक गई कि क्या युद्ध का अंत समझौते का हिस्सा होना चाहिए या नहीं। हमास का कहना है कि वह बाकी बचे हुए 50 बंधकों को छोड़ने के लिए तैयार है, जिनमें से आधे से कम के जीवित होने की संभावना है, लेकिन बदले में उसे इस्त्राइल को पूरी तरह से गाजा से हटाना होगा और युद्ध को समाप्त करना होगा।

'एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था अन्यायपूर्ण

बदल रहा अब शक्ति संतुलन..', पुतिन का अमेरिका पर हमला

बीजिंग (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा कि अब शक्ति संतुलन बदल रहा है। उन्होंने एक ऐसी बहुध्रुवीय दुनिया की पैरवी की, जहां सभी देश बराबरी के साथ काम करें और कोई भी श्रेष्ठता न थोपे। उन्होंने भारत और चीन जैसी आर्थिक शक्तियों का उदाहरण भी दिया। पुतिन का यह बयान पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों और अमेरिकी टैरिफ नीति की आलोचना के रूप में देखा जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था के खात्मे की पैरवी की और एक ऐसी बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की जरूरत पर जोर दिया, जहां सभी देश बराबरी के आधार पर काम करें और कोई भी अपनी श्रेष्ठता न थोपे, चाहे राजनीति के क्षेत्र में हो या सुरक्षा के। चीन के चार दिवसीय दौरे के बाद पुतिन ने एक प्रेस वार्ता की, जिसमें उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में बराबरी की जरूरत है और ब्रिक्स व शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) जैसे संगठन इस विचार के समर्थन में हैं। 'खत्म हो एकध्रुवीय व्यवस्था, नहीं होना चाहिए श्रेष्ठता थोपने वाला देश' पुतिन ने कहा, एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था अन्यायपूर्ण है, यह स्पष्ट है और हम अपने संबंधों का विकास किसी बहुमत की राय के आधार पर नहीं, बल्कि एक विचार के आधार पर कर रहे हैं और वह विचार यह है कि दुनिया बहुध्रुवीय होनी चाहिए। यानी सभी अंतरराष्ट्रीय संबंधों और संवाद में शामिल पक्ष बराबर होने चाहिए। एकध्रुवीय दुनिया अब खत्म होनी

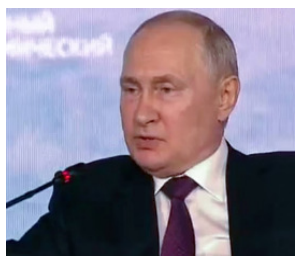

चाहिए।उन्होंने आगे कहा, जहां तक यह सवाल है कि बहुध्रुवीय दुनिया बनी है या नहीं, तो इसके संकेत अब दिख रहे हैं। लेकिन मैं यह नहीं कहूं कि यह बात पूरी तरह स्थापित हो चुकी है। इसका मतलब यह भी नहीं है कि इस नई बहुध्रुवीय दुनिया में कोई श्रेष्ठता (हेजमन) थोपने वाला देश होना चाहिए। ब्रिक्स में भी ऐसा कोई नहीं कहता, एससीओ में भी नहीं। 'बदल रहा वैश्विक शक्ति संतुलन, किसी को दबदबे का अधिकार नहीं' पुतिन ने भारत और चीन जैसे आर्थिक ताकत वाले देशों का उदाहरण देते हुए माना कि वैश्विक शक्ति संतुलन अब बदल रहा है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि आर्थिक ताकत का मतलब यह नहीं है कि किसी को राजनीति या वैश्विक सुरक्षा में दबदबे का अधिकार मिल जाना चाहिए। भारत और चीन जैसे देश आर्थिक रूप से मजबूतः व्लादिमीर पुतिन उन्होंने कहा, इस बहुध्रुवीय दुनिया में सभी को समान अधिकार मिलने चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार भी सभी बराबर होने चाहिए। हां, भारत और चीन जैसे देश आर्थिक रूप से बहुत मजबूत देश हैं। हमारी अर्थव्यवस्था भी क्रयशक्ति क्षमता के आधार पर दुनिया के शीर्ष चार में शामिल है। यह कोई कल्पना नहीं है, यह अंतरराष्ट्रीय संगठनों की गणना है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि किसी को विश्व राजनीति या सुरक्षा पर राज करना चाहिए। हम नहीं मानते कि किसी को ऐसा प्रभुत्व मिलना चाहिए। सभी बराबर हों, यही सही है। अमेरिकी टैरिफ और पश्चिम प्रतिबंधों के बीच पुतिन का बयान पुतिन का यह बयान पश्चिमी देशों की ओर से रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों और अमेरिका की टैरिफ नीति की आलोचना के रूप में देखा जा रहा है।

सैन्य परेड के जरिये ट्रंप को चुनौती, अमेरिका के धुरविरोधियों ने दिया नए वैश्विक शक्ति समीकरण का संदेश

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में राजधानी बीजिंग के थियानमन चौक पर आयोजित विजय दिवस परेड अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का केंद्र बन गई है। इस भव्य आयोजन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन और ईरान के राष्ट्रपति मसीह रहमी ने शिरकत की। इस परेड में अमेरिका के धुरविरोधी और तीन परमाणु शक्ति संपन्न देशों चीन, रूस और उत्तर कोरिया के शीर्ष नेताओं के साथ कुल 26 देशों के राष्ट्र प्रमुखों की मौजूदगी ने दुनिया को साफ संकेत दे दिया कि पश्चिमी दबाव और प्रतिबंधों के बावजूद बहुध्रुवीय व्यवस्था तेजी से आकार ले रही है। यह तस्वीर न केवल वाशिंगटन और उसके सहयोगियों के लिए सीधी चुनौती है, बल्कि वैश्विक मंच पर उभरते नए सामरिक समीकरणों का दृढ़ और आक्रामक संदेश भी है। यह आयोजन पश्चिम को सीधा संदेश देता है कि चीन

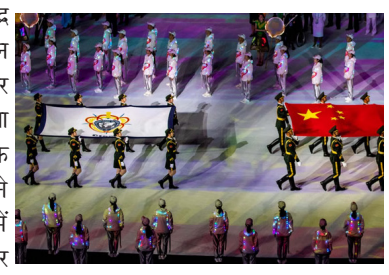

पश्चिम विरोधी धुरी का कूटनीतिक मंच भी बन चुका है। द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार ने लिखा, अमेरिका के धुरविरोधी नेताओं का बीजिंग में एकसाथ खड़े होना, उस बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का संकेत है, जो धीरे-धीरे आकार ले रही है। वॉशिंगटन पोस्ट ने कहा, यह आयोजन नाटो व वाशिंगटन के लिए गंभीर चेतावनी है कि रूस, चीन, उत्तर कोरिया और ईरान अब साझा मंच पर ताकत और एकजुटता दिखा रहे हैं। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बान ने परेड का हिस्सा बनकर बता दिया कि यूरोप के भीतर भी चीन व रूस से करीबी रिश्ते बनाने की प्रवृत्ति है। बीबीसी ने इसे यूरोपीय संघ और नाटो के भीतर मतभेद का प्रतीक बताया। एशिया में सुरक्षा संतुलन नई दिशा ले रहा भारतीय विशेषज्ञ सी. अमेरिका बोला-सिर्फ प्रचार पाने का प्रयास व्हाइट हाउस ने कहा, बीजिंग परेड केवल प्रचार पाने का प्रयास है, जो इन देशों की वास्तविक कमजोरियों को नहीं ढक सकता। हालांकि यूरोपीय राजनयिकों ने स्वीकार किया कि परेड ने यूरोप के लिए सुरक्षा जोखिम बढ़ा दिए हैं, क्योंकि यह संकेत है कि रूस, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया भविष्य में हथियार, ऊर्जा और तकनीक पर गहरे सहयोग की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

नाइजीरिया में नाव हादसे का शिकार, 31 लोगों की मौत, बचाव कार्य जारी, 90 लोग थे बोट में सवार

अबुजा (एजेंसी)। नाइजर राज्य के बोर्गू क्षेत्र में एक नाव एक पेड़ के तने से टकरा गई। उसमें 90 लोग सवार थे। नाइजीरिया की राष्ट्रीय आपातकालीन एजेंसी ने बताया कि अब तक 50 लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन लापता लोगों की संख्या की जानकारी नहीं है। खोज और बचाव अभियान जारी है। अफ्रीका के सबसे अधिक आबादी वाले देश में बरसात के मौसम में देश के दूरदराज के इलाकों में नाव हादसे होते रहते हैं। ये हादसे अक्सर जरूरत से ज्यादा भरी हुई और खराब रखरखाव वाली नावों के कारण होती हैं। इनमें से कई नावें बिना लाइफ जैकेट के चलती हैं। पिछले महीने उत्तर-पश्चिमी राज्य सोकोटो में एक नदी में नाव पलट जाने के बाद 25 लोगों को लापता घोषित कर दिया गया था।

एजेंसी ने बताया कि अब तक 50 लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन लापता लोगों की संख्या की जानकारी नहीं है। खोज और बचाव अभियान जारी है। उत्तर-मध्य नाइजीरिया में एक नदी में नाव हादसा हो गया। हादसे में 31 लोगों की मौत हो गई। अफसरों ने बताया कि नाइजर राज्य के बोर्गू क्षेत्र में एक नाव एक पेड़ के तने से टकरा गई। उसमें 90 लोग सवार थे। नाइजीरिया की राष्ट्रीय आपातकालीन एजेंसी ने बताया कि अब तक 50 लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन लापता लोगों की संख्या की जानकारी नहीं है। खोज और बचाव अभियान जारी है। अफ्रीका के सबसे अधिक आबादी वाले देश में बरसात के मौसम में देश के दूरदराज के इलाकों में नाव हादसे होते रहते हैं। ये हादसे अक्सर जरूरत से ज्यादा भरी हुई और खराब रखरखाव वाली नावों के कारण होती हैं। इनमें से कई नावें बिना लाइफ जैकेट के चलती हैं। पिछले महीने उत्तर-पश्चिमी राज्य सोकोटो में एक नदी में नाव पलट जाने के बाद 25 लोगों को लापता घोषित कर दिया गया था।

'हॉट माइक' से लीक हुई पुतिन और जिनपिंग की बातचीत, इंसानों की उम्र बढ़ाने की संभावना पर कर रहे थे चर्चा

बीजिंग (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके चीन के समकक्ष शी जिनपिंग जब बुधवार को कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे थे, तो एक 'हॉट माइक' ने उनकी बातचीत रिकॉर्ड कर ली, जिसमें वह अंग प्रत्यारोपण (ऑर्गन ट्रांसप्लांट) और इंसानों की उम्र 150 साल तक बढ़ाने की संभावना पर बात कर रहे थे। यह पल तब आया जब पुतिन और जिनपिंग उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ मिलकर एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थे। इस प्रतिनिधिमंडल में दो दर्जन से ज्यादा विदेशी नेता शामिल थे। ये सभी बीजिंग में आयोजित एक सैन्य परेड देखने पहुंचे थे। यह भव्य सैन्य परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित की गई थी। 1.9 अरब बार देखी गई कार्यक्रम की सीसीटीवी कवरेज चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के लाइवस्ट्रीम में यह पल रिकॉर्ड हुआ, जिसमें सीजीटीएन, एपी और रॉयटर्स सहित अन्य मीडिया ने भी प्रसारित किया। चीन के रेडियो और टेलीविजन प्रशासन ने बताया कि इस कार्यक्रम की सीसीटीवी कवरेज को 1.9 अरब बार ऑनलाइन देखा गया और 40 करोड़ से ज्यादा लोगों ने देखा। तीनों

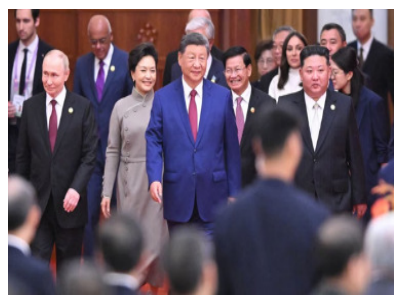

नेताओं में क्या बातचीत हुई? जैसे ही पुतिन और जिनपिंग, किम जोंग उन के साथ परेड देखने के लिए तियानानमेन के मंच की ओर बढ़ रहे थे, तो पुतिन के अनुवादक की चीनी भाषा में आवाज सुनाई दी, जिसमें वह कह रहे थे- 'बायोटेक्नोलॉजी लगातार विकसित हो रही है।' इसके बाद एक अस्पष्ट हिस्से के बाद अनुवादक ने कहा, 'मानव अंगों का बार-बार प्रत्यारोपण किया जा सकता है। जितना अधिक आप जीते हैं, उतने ही युवा होते जाते हैं और (आप) भी प्राप्त कर सकते हैं।' शी जिनपिंग उस समय कैमरे में नहीं दिख रहे थे, लेकिन उन्हें चीनी भाषा में जवाब देते हुए सुना गया- 'कुछ लोगों का अनुमान है कि इस सदी में इंसान 150 तक जी सकते हैं।' किम जोंग उन मुस्करा रहे थे और पुतिन व शी की ओर देख रहे थे। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह बातचीत उनके लिए अनुवाद की जा रही थी या नहीं। सीसीटीवी क्लिप में पुतिन की आवाज रूसी भाषा में साफ-साफ सुनाई नहीं दी। रूसी सरकार ने इस पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। चीन के विदेश मंत्रालय और सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने भी रॉयटर्स के सवालों का जवाब नहीं दिया। कार्यक्रम में मौजूद थे 50 हजार से अधिक लोग जैसे ही शी ने बोलना शुरू किया, वीडियो में दृश्य बदल गया और तियानानमेन स्क्वायर का दूर का शॉट दिखाया गया और ऑडियो धीमा हो गया। करीब तीस सेकंड बाद ही शी, पुतिन और किम दोबारा कैमरे में दिखाई दिए, जब वे परेड देखने के लिए मंच की ओर सीढ़ियों से ऊपर जा रहे थे। कार्यक्रम में पचास हजार से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। अपने संबोधन में शी जिनपिंग ने कहा कि दुनिया अभी शांति या युद्ध के विकल्प के बीच खड़ी है। उन्होंने हाइपरसोनिक मिसाइलों और नौसैनिक ड्रोन जैसे अत्याधुनिक हथियारों का निरीक्षण भी किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीनी विक्ट्री परेड की तारीफ की, ड्रैगन से श्रेय नहीं मिलने पर निराश भी हुए ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन की 80वीं वर्षगांठ पर हुई बड़ी सैन्य परेड को प्रभावशाली और सुंदर बताया। हालांकि, उन्होंने कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने भाषण में अमेरिका की मदद का उल्लेख नहीं किया, जो अमेरिका ने चीन की आजादी में दी थी। ट्रंप ने चीन के साथ अपने अच्छे रिश्तों को और मजबूत करने की उम्मीद जताई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन की 80वीं सालगिरह पर आयोजित बड़ी सैन्य परेड पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस सैन्य परेड को बहुत प्रभावशाली और सुंदर बताया। हालांकि दूसरी ओर ट्रंप ने कहा कि उन्हें निराशा हुई क्योंकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने भाषण में अमेरिका की मदद का जिक्र नहीं किया, जबकि अमेरिका ने चीन की स्वतंत्रता संघर्ष में

काफी सहायता की थी। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पोलैंड के राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान कहा कि उनका चीन के नेताओं के साथ व्यक्तिगत रिश्ता बहुत अच्छा है और आने वाले समय में इसे और मजबूत बनाने की उम्मीद है। बता दें कि ट्रंप का ये बयान तब आया जब चीन की अब तक की सबसे बड़ी सैन्य परेड बुधवार को आयोजित की गई, जिसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन भी शामिल हुए। यह परेड द्वितीय विश्व युद्ध के अंत की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित की गई थी। इस परेड में चीन ने अपनी सैन्य ताकत का भव्य प्रदर्शन किया। अपने बयान में ट्रंप ने कहा कि यह परेड चीन की तरफ से उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए की गई थी, जो उन्होंने स्वीकार भी किया। उन्होंने कहा कि जब चीन ने यह किया, तो मुझे लगा यह एक खूबसूरत समारोह था, लेकिन मैं समझ गया कि वे मुझे देखना चाहते थे और मैं देख रहा था। इस दौरान उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भाषण में अमेरिका का जिक्र नहीं करने पर नाराजगी भी जताई।

पीएम मोदी की मां पर अभद्र टिप्पणी से नाराज महिलाएं सड़क पर उतरीं

पूरी दिल्ली में जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के प्रति कांग्रेस की वोट अधिकार यात्रा के दौरान की गई अभद्र टिप्पणी पर भाजपा ने बिहार से लेकर दिल्ली तक विरोध प्रदर्शन किया। बिहार में जहां दोपहर तक दुकानें बंद रख दुकानदारों ने अपना विरोध जताया, वहीं दिल्ली में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन कर पार्टी ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। इन विरोध प्रदर्शनों की पूरी कमान पार्टी के महिला मोर्चा ने संभाला, जबकि पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं-कार्यकर्ताओं ने भी इसमें पूरी भागीदारी की। दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा के नेतृत्व में पार्टी के सभी 14 सांगठनिक जिलों में आज पार्टी ने विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। इसमें पार्टी कार्यकर्ताओं से अधिक आम जनता की भागीदारी रही। लोगों ने इस बात पर बहुत आक्रोश जाहिर किया कि सार्वजनिक जीवन में देश के ऊंचे पद पर बैठे लोगों के प्रति भी अभद्र

टिप्पणियां की जा रही हैं। पार्टी ने दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन कर कांग्रेस के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर कर चुकी है। लेकिन विरोध की कमान आज पूरी तरह से महिला कार्यकर्ताओं के हाथों में रही। महिला कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह देश की हर एक मां-बहन के सम्मान का मामला है। इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। जनता देगी कांग्रेस को सजाः ऋचा पांडे मिश्रा दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष ऋचा पांडे मिश्रा ने से कहा कि महिलाओं के प्रति कांग्रेस की ओछी मानसिकता बार-बार सामने आ जाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सामान्य महिलाओं का अपमान करते-करते अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के प्रति भी अभद्र टिप्पणी करने लगी है, इससे समझ आता है कि कांग्रेस लगातार नैतिक पतन की ओर जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह हमला गलती से नहीं, बल्कि पूरी सोची-समझी साजिश के अंतर्गत किया गया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।